वर्षः- 06
अंकः- 99
मुरादाबाद
(Wednesday)
29 July 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक
प्रातः कालीन
क्यूँ न लिखूँ सच
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
मुरादाबाद से प्रकाशित
प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

असम में बाढ़ का कहरः PM मोदी ने सांसदों के साथ की समीक्षा बैठक,किया एक महीने का वेतन देने का एलान

असम में बाढ़ की गंभीर स्थिति के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्य के सांसदों के साथ समीक्षा बैठक की। वहीं, रायजोर दल को छोड़कर सभी विधायकों ने बाढ़ पीड़ितों की राहत और पुनर्वास के लिए अपना एक महीने का वेतन देने का एलान किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि उन्होंने असम के विभिन्न हिस्सों में व्याप्त बाढ़ की स्थिति पर राज्य के सांसदों के साथ बैठक की। इसके साथ ही आश्वासन दिया कि केंद्र सरकार प्रभावित लोगों की सहायता के लिए असम सरकार के साथ मिलकर काम कर रही है।

पीएम मोदी ने क्या बताया? - एक्स पर एक पोस्ट में प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने लोगों की सुरक्षा और कुशलक्षेम के लिए प्रार्थना की। उन्होंने एक्स पर लिखा,असम के सांसदों से मुलाकात की और राज्य के विभिन्न हिस्सों में बाढ़ की मौजूदा स्थिति पर चर्चा की। केंद्र सरकार प्रभावित लोगों की सहायता के लिए असम सरकार के साथ मिलकर काम कर रही है। मैं सभी की सुरक्षा और कुशल मंगल की कामना करता हूं। इस बीच, असम के शिवसागर जिले में बाढ़ की स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है क्योंकि नौजान गांव में बाढ़ का पानी घरों में घुस गया और सड़कें जलमग्न हो गईं, जिससे सैकड़ों परिवार आश्रय, भोजन और सुरक्षित पेयजल तक पहुंच के लिए संघर्ष कर रहे हैं, जबकि राहत अभियान तेज कर दिए गए हैं।वहीं, असम के विधायकों ने एक बड़ा फैसला लिया है। रायजोर दल को छोड़कर सभी विधायकों ने मंगलवार को राज्य के बाढ़ पीड़ितों की राहत और पुनर्वास के लिए अपने एक महीने का वेतन दान करने की घोषणा की। अध्यक्ष रणजीत कुमार दास ने क्या एलान किया?- अध्यक्ष रणजीत कुमार दास ने कहा कि वह और उपाध्यक्ष हब्बे टेरोन बाढ़ राहत के लिए एक महीने का वेतन दान करेंगे। उन्होंने घोषणा की, हमारे अलावा, विधानसभा सचिवालय के सभी कर्मचारी पीड़ितों की राहत और पुनर्वास के लिए एक दिन का वेतन दान करेंगे। संसदीय कार्य मंत्री ने क्या कहा? - इस पहल का स्वागत करते हुए संसदीय कार्य मंत्री पीयूष हजारिका ने कहा कि भाजपा के सभी विधायक भी एक महीने का वेतन दान करेंगे। राज्य में तृणमूल कांग्रेस के इकलौते विधायक शेरमन अली अहमद ने भी ऐसा ही किया और बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के लिए अपने एक महीने का वेतन दान करने की घोषणा की।

वायुसेना की ओर से राहत अभियान जारी- भारतीय वायुसेना की ओर से असम और नागालैंड के बाढ़ प्रभावित इलाकों में मानवीय सहायता एवं आपदा राहत अभियान लगातार जारी है। खराब मौसम और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद वायुसेना राहत एवं बचाव कार्यों में पूरी तत्परता से जुटी हुई है। मंगलवार को भारतीय वायुसेना ने बताया कि पिछले 10 दिनों के दौरान उसके हेलीकॉप्टरों ने बाढ़ में फंसे 458 लोगों को सुरक्षित बचाकर निकाला है।

वायु सेना के मुताबिक, अभी तक प्रभावित क्षेत्रों में हवाई मार्ग से 9 टन से अधिक आवश्यक राहत सामग्री भी पहुंचाई गई है।

वायुसेना के अधिकारी व जवान, राहत अभियान के दौरान हेलीकॉप्टर से लगातार दुर्गम और जलमग्न क्षेत्रों में उड़ान भर रहे हैं।बता दे कि कुल 631 गांव अभी भी जलमग्न हैं। वहीं, राहत कार्य 184 शिविरों और वितरण केंद्रों के माध्यम से जारी हैं, जहां लगभग 28,700 लोगों को आश्रय दिया गया है।

संक्षिप्त समाचार

प्रदेश में 15 आईपीएस अधिकारियों के तबादले, तरुण गाबा लखनऊ के नए पुलिस कमिश्नर

उत्तर प्रदेश सरकार ने 15 वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों के तबादले किए हैं। तरुण गाबा को लखनऊ का नया पुलिस कमिश्नर नियुक्त किया गया है, जबकि अशोक मुथा को अग्निशमन सेवा का महानिदेशक बनाया गया है। प्रशासनिक व्यवस्था मजबूत करने के उद्देश्य से यह फेरबदल किया गया है।यूपी सरकार ने 15 सीनियर आईपीएस अधिकारियों के तबादले कर दिए हैं। तरुण गाबा को लखनऊ का नया पुलिस कमिश्नर बनाया गया है। अशोक मुथा डीजी फायर सर्विस बनाए गए हैं। तबादला सूची के अनुसार, आईपीएस मधुर अशोक जैन को पुलिस महानिदेशक मुख्यालय से पुलिस महानिदेशक अग्निशमन एवं आपात सेवाएं बनाया गया है। पुलिस महानिरीक्षक अभिसूचना मुख्यालय भेजा गया है, जबकि राम कुमार को लखनऊ रेंज से गोरखपुर जोन का अपर पुलिस महानिदेशक बनाया गया है। नवीन अरोरा को तकनीकी सेवाओं से वाराणसी जोन और पीयूष मोर्डिया को वाराणसी जोन से प्रयागराज पुलिस आयुक्त की जिम्मेदारी दी गई है।इसी क्रम में संजय गुप्ता को पुलिस मुख्यालय से एडीजी, कानून-व्यवस्था, तरुण गाबा को पुलिस आयुक्त, लखनऊ, और धर्मेंद्र सिंह को प्रयागराज रेंज का पुलिस महानिरीक्षक बनाया गया है। इसके अलावा मोहित गुप्ता, विनीत कुमार सिंह, राजेंद्र कुमार, आनंद प्रकाश तिवारी, अरुण कुमार सिंह तथा आनंद कुमार सहित अन्य अधिकारियों को भी नई तैनाती दी गई है।

जौहर यूनिवर्सिटी पर बुलडोजर एक्शन पर रोकः मायावती ने फैसले का किया स्वागत, बोलीं- तोड़फोड़ नहीं, समाधान जरूरी

जौहर यूनिवर्सिटी पर बुलडोजर एक्शन पर रोक के फैसले का मायावती ने स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि तोड़फोड़ नहीं, छात्र हितों पर समाधान जरूरी है।बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सुप्रीमो मायावती ने रामपुर स्थित मोहम्मद अली जौहर यूनिवर्सिटी के 38 भवनों को गिराने की प्रस्तावित कार्रवाई पर रोक लगाने के फैसले का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि सरकार को ऐसे मामलों में तोड़फोड़ जैसे कठोर कदम उठाने के बजाय संस्थानों को नियमों के दायरे में लाने और नियमित करने की नीति अपनानी चाहिए। मायावती ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए कहा कि रामपुर विकास प्राधिकरण की ओर से बिना स्वीकृत मानचित्र के निर्माण के आधार पर भवनों को गिराने की कार्रवाई पर रोक लगाने का निर्णय उचित है।समाधान निकालने की कोशिश करनी चाहिए- उन्होंने कहा कि मोहम्मद आजम खान के पारिवारिक ट्रस्ट द्वारा स्वतंत्रता सेनानी मोहम्मद अली जौहर के नाम पर स्थापित यूनिवर्सिटी के शैक्षणिक भवनों को गिराने का मामला छात्र हितों से भी जुड़ा है। ऐसे में सरकार को पहले नियमों के तहत समाधान निकालने की कोशिश करनी चाहिए।बसपा सुप्रीमो ने कहा कि केवल जौहर यूनिवर्सिटी ही नहीं, बल्कि प्रदेश के अन्य शिक्षण संस्थानों में भी यदि निर्माण संबंधी नियमों का पालन नहीं हुआ है तो उन्हें ध्वस्त करने के बजाय जरूरी प्रक्रिया पूरी करके नियमित करने की दिशा में कदम उठाए जाने चाहिए। उन्होंने उम्मीद जताई कि सरकार जनहित को ध्यान में रखते हुए इस सुझाव पर विचार करेगी, ताकि वहां पढ़ाई कर रहे छात्रों का भविष्य प्रभावित न हो।रिकॉर्ड की जांच के बाद अंतिम निर्णय लिया जाएगा गौरतलब है कि मुरादाबाद मंडलायुक्त की अदालत ने सोमवार को जौहर यूनिवर्सिटी को अंतरिम राहत देते हुए 38 भवनों को गिराने की कार्रवाई पर अंतिम सुनवाई तक रोक लगा दी थी। मंडलायुक्त आंजनेय कुमार सिंह ने बताया कि यूनिवर्सिटी के वकील की याचिका पर यह रोक लगाई गई है। सभी पक्षों को सुनने और रिकॉर्ड की जांच के बाद मामले में अंतिम निर्णय लिया जाएगा

जापान के क्यूशू इलाके में आया 7.1 तीव्रता का भूकंप, सुनामी की चेतावनी जारी

जापान के क्यूशू इलाके में 7.1 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप दर्ज किया गया है। इसके साथ सुनामी की चेतावनी भी जारी की गई है और लोगों को समुद्र और तटों से दूर रहने की सलाह दी गई है। जापान के दक्षिणी कुमामोटो प्रांत में मंगलवार को 7.1 तीव्रता का भूकंप आया। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी ने यह जानकारी दी। भूकंप के बाद जापान मौसम विज्ञान एजेंसी ने 1 मीटर (3.28 फीट) ऊंची लहरों वाली सुनामी की चेतावनी जारी की है। जापान सरकार ने दक्षिणी क्यूशू द्वीप के कुमामोटो, नागासाकी, कागोशिमा, फुकुओका, सागा, ओइता और मियाजाकी प्रांतों के लिए आपातकालीन भूकंप चेतावनी जारी की है। मौसम एजेंसी ने लोगों को समुद्र और तटों से दूर रहने की सलाह दी है। दुनिया के सर्वाधिक भूकंप प्रभावित देशों में एक है जापान- जापान दुनिया के सबसे ज्यादा भूकंप प्रभावित देशों में से एक है। यहां कम से कम हर पांच मिनट में भूकंप के झटके महसूस किए जाते हैं। लामुखियों और समुद्री गर्तों वाले क्षेत्र रिंग ऑफ फायर में स्थित है। दुनिया में 6.0 या उससे ज्यादा तीव्रता वाले भूकंपों में से करीब 20 फीसदी जापान में आते हैं।ट्रेन सेवाएं रोकी गईं क्यूशू इलेक्ट्रिक पावर ने कहा कि भूकंप के बाद उसके सेंडाई और जेनकाई परमाणु ऊर्जा संयंत्रों में किसी तरह की गड़बड़ी की कोई सूचना नहीं है।

छात्र आंदोलन के दौरान पुलिस ने पैलेट गन का इस्तेमाल किया-गोगोई

गौरव गोगोई ने कहा कि छात्र आंदोलन ने यह दिखा दिया कि लोगों के मन से डर खत्म हो चुका है। उन्होंने कहा कि 20 जुलाई की रात 10 बजे भी लोग प्रदर्शन स्थल पर पहुंचे और लोकतंत्र के समर्थन में खड़े रहे। उन्होंने कहा कि खून से लथपथ चेहरा होने के बावजूद एक छात्र पुलिस के सामने डटा रहा और लोगों को लोकतंत्र की ताकत का एहसास कराया। उन्होंने कहा कि जंतर-मंतर के प्रदर्शन के दौरान कुछ आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल का समर्थन नहीं किया जा सकता। साथ ही उन्होंने कहा कि उन भावनाओं को भी याद रखना चाहिए, जिन्हें छात्रों ने सामने रखा। इस दौरान उन्होंने शायर वसीम बरेलवी की पंक्तियां उद्धत करते हुए कहा, उसूलों पर आंच आए तो टकराना जरूरी है, जिंदा हो तो जिंदा नजर आना जरूरी है।

गोगोई ने दावा किया कि पुलिस कार्रवाई के दौरान एक युवक ने आगे आकर एक लड़की को बचाने की कोशिश की। उन्होंने यह भी कहा कि एक छात्र ने कहा था कि जिस उंगली से उसने कमल के निशान पर वोट दिया था, उसी उंगली को आज पुलिस ने तोड़ दिया। उन्होंने देशभर के लोगों का आभार जताते हुए कहा कि कई लोगों ने प्रदर्शनकारियों के लिए स्विगी के माध्यम से भोजन भेजा और वकीलों ने भी लोकतंत्र के समर्थन में उनका साथ दिया। कांग्रेस सांसद ने आरोप लगाया कि छात्र आंदोलन के दौरान पुलिस ने पैलेट गन का इस्तेमाल किया, एक पुलिसकर्मी ने एक लड़की को थप्पड़ मारा और एक बच्ची के निजी अंग पर हमला किया। उन्होंने कहा कि इन घटनाओं को भुलाया नहीं जाएगा और इस पूरे मामले में गृह मंत्री से जवाब मांगा। गौरव गोगोई ने यह भी आरोप लगाया कि सरकार यह विधेयक इसलिए लेकर आई है क्योंकि उसकी पुलिस छात्र आंदोलन को दबाने में सफल नहीं हो सकी। उन्होंने बिहार में प्रदर्शन के दौरान पुलिस द्वारा एके-47 के इस्तेमाल का भी आरोप लगाया।कांग्रेस सांसद ने कहा कि आप सुधार नहीं चाहते, क्योंकि ऋस्र के लिए शिक्षा विभाग अहम है। आप चाहते हैं कि शिक्षा के माध्यम से इस पीढ़ी के लोग आपके संगठन के सदस्य बने। डीयू, ढ्ढढ्ढञ्ज, जेएनयू ने अपने स्टूडेंट्स ने कहा कि प्रदर्शन में मता जाओ। क्या ऐसे हम आने वाले भारत का निर्माण करेंगे। राहुल गांधी ने बार-बार कहा कि प्रधान सिर्फ एक मुखौटा हैं। उनके हटने से भी शिक्षा में सुधार आएगा, इसका विश्वास न हमें है, न बच्चों को। बच्चे क्या करें। उनके पास पैसे नहीं है कि 30-30 लाख में पैसे खरीद सकें। वे नाराज हैं। जब वे लड़ नहीं पाते तो आत्महत्या कर लेतें हैं।

कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा कि व्यापक चर्चा करने के बजाय प्रधानमंत्री युवाओं से इंस्टाग्राम पर अधिक ध्यान देने की बात करते हैं। गौरव गोगोई ने कहा कि प्रधानमंत्री ने हाई पावर कमेटी के गठन की बात की, लेकिन दो वर्ष पहले गठित राधाकृष्णन समिति की सिफारिशों का क्या हुआ। उन्होंने कहा कि यदि समिति ने इतना अच्छा काम किया था, तो फिर दो साल बाद पेपर लीक जैसी घटनाएं क्यों हुईं। उन्होंने दावा किया कि सरकार यह दिखाने की कोशिश कर रही है कि वह इस मुद्दे पर गंभीर है। गोगोई ने कहा कि सरकार ने एनटीए के 47 लोगों को बदले जाने की बात कही है, लेकिन वह जानना चाहते हैं कि ये 47 लोग कौन हैं। उन्होंने कहा कि एनटीए में स्वीकृत पदों की संख्या 34 है और इनमें भी 10 से 12 पद खाली हैं, ऐसे में 47 अधिकारियों पर कार्रवाई का दावा कैसे किया जा रहा है। कांग्रेस सांसद ने कहा कि एनटीए के महानिदेशक (डीजी) को बदल दिया गया, लेकिन चेयरमैन को पद पर बनाए रखा गया। उन्होंने सवाल उठाया कि चेयरमैन पर इतना भरोसा क्यों जताया जा रहा है। उन्होंने चेयरमैन के पिछले कार्यकाल का भी उल्लेख करते हुए कहा कि वे मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष भी रह चुके हैं, जहां कथित तौर पर अनियमितताओं के आरोप लगे थे।

एक प्रधान को हटाकर प्रधानमंत्री को बचा लिया, लोकसभा में अखिलेश यादव का सरकार पर तंज

संसद के मानसून सत्र का आज सातवां दिन है। लोकसभा में परीक्षा में सुधारों से जुड़े विधेयक पर चर्चा शुरू हो गई है। चर्चा के लिए आठ घंटे का समय निर्धारित किया गया है। स्पीकर ओम बिरला ने जरूरत पड़ने पर इससे अधिक समय देने की बात कही है।

समाजवादी पार्टी अध्यक्ष और सांसद अखिलेश यादव ने कहा कि छात्र आंदोलन ने सरकार को झुकने पर मजबूर कर दिया। उन्होंने कहा कि वह इस पूरे आंदोलन को दूर से देख रहे थे। उनके मुताबिक, आंदोलन की सफलता के बाद एक नया नारा सामने आया कि सरकार को अहंकार था कि वह कभी नहीं झुकती, लेकिन नई पीढ़ी ने साबित कर दिया कि सरकार भी झुकती है, झुकाने वाला चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार ने आंदोलन से जुड़े कई मुद्दों को स्वीकार किया, लेकिन सवाल यह है कि जिन बातों पर सहमति बनी, उन्हें सदन के सामने क्यों नहीं रखा जा रहा है।

पूर्व शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे का जिक्र करते हुए अखिलेश यादव ने तंज कसते हुए कहा कि जब मंत्री जी लौटे, जो अब मंत्री नहीं रहे, उनके स्वागत से मुझे कोई शिकायत नहीं है। लेकिन सरकार को कितनी राहत मिली होगी कि एक प्रधान को हटाकर प्रधानमंत्री को बचा लिया। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार कई वर्षों से नकारात्मक राजनीति कर रही है और इसके लिए हजारों करोड़ रुपये प्रचार पर खर्च किए गए। अखिलेश यादव ने कहा कि वह युवा पीढ़ी को बधाई देते हैं, क्योंकि छात्रों और युवाओं ने अपने आंदोलन के जरिए सरकार को झुकने पर मजबूर कर दिया।

संपादकीय Editorial

The War Against the Geneva Conventions

Today, the Iran war has reached such a peak that it is imperative to invoke the Geneva Conventions of 1949. It now seems a reality that US President Trump and Iran's IRGC have turned a blind eye to those conventions. Destruction, explosions, and ultimately, destruction continue, trampling human rights and humanitarian systems. There is no global institution, forum, or group of nations that can reason with or restrain these mad, distraught, and destructive warlords. We are compelled to state once again that the United Nations has become a flabby institution. It is now a mere platform for speeches, and therefore, it should be closed. Beyond war, this institution is no longer a powerful platform for issues such as displacement, refuge, food, water, health, protection, and climate change, as no country even heeds its appeals or calls. Veto-wielding countries have their own gangs, conspiracies, and diplomatic interests. Now, wasting billions of dollars (or rupees) from countless taxpayers around the world is pointless. However, Article 52 of the Geneva Convention clearly states that attacks on civilians, schools, hospitals, and civilian infrastructure are prohibited during war. Article 54 prohibits attacking or destroying water, food, and other civilian facilities. It also adds the caveat that attacks on these facilities and infrastructure are strictly prohibited if civilian lives are threatened. These four treaties were passed and signed by the world's major nations after mutual consultation, but regardless of the war, these treaties have been flouted. Whether it's the current Iran war or the four-and-a-half-year-long Russia-Ukraine war, these treaties have been screaming in disarray. It seems as if the war is being waged against the Geneva Conventions themselves! At the very beginning of the Iran War, the United States attacked a school, massacring 168 girls. There is no action against America, no punitive decision, what is the use of mere statements? American fighter jets have been continuously carrying out missile attacks and bombings on Iran for the past 11 nights. The attacks are writing stories of destruction from the coast of Hormuz to the capital Tehran. At present, there is no data available on the number of tragedies. The damage is unimaginable. The attacks are being carried out near power plants, water plants, bridges, buildings, nuclear sites, but there has been no intervention or statement in the world regarding the Geneva Conventions. Who can dare to speak against the world's biggest bully? A survey was conducted in Iran to get information about President Masoud Pezeshkian. Of those surveyed, 45 percent expressed fear of the war, nearly 49 percent expressed a fear of escalation, 44.3 percent desired a ceasefire, over 81 percent lacked access to basic amenities and supplies, nearly 63 percent expressed increased anger and irritation due to the war, and over 50 percent saw no hope for improvement. Clearly, the Geneva Conventions are crying out in the face of the Iran war. No one is listening. Jobs are being lost, unemployment and hunger are on the rise. The United States also wants the Iranian people to revolt against the current regime. This will be America's true strategic success. President Trump has ordered the doors of "hell" to be opened in Iran. US attacks have been carried out simultaneously on 17 cities and 95 targets. In retaliation, Iran has made Jordan the epicenter of devastating attacks. Along with Jordan, attacks have wreaked havoc in Bahrain, Kuwait, Qatar, Oman, and Syria. American soldiers have also been killed, while more than 400 are reported injured. America has spent 9.91 trillion rupees. Public protests are growing in America. Questions have also been raised in the Senate: how long will Trump continue

Some Serious Questions About the Movement, the Examination System, and the Future of Youth

The movement originally began as a protest against the leakage of question papers in the NEET and other competitive examinations. Later, its nature changed with the campaign launched on social media by the Cockroach Janata Party (CJP) and the call for a 'Parliament March' on July 20th. A movement is a legitimate right of democracy, but its greatest strength lies in its peaceful and disciplined nature. When incidents like violence, stone-pelting, and damage to public property begin to occur during a movement, its fundamental purpose is weakened. Several policemen were injured and government vehicles were damaged in the stone-pelting at Jantar Mantar. Such incidents also suppress genuine and innocent voices that are peacefully fighting for their rights. The movement originally began as a protest against the leakage of question papers in the NEET and other competitive examinations. Later, its nature changed with the campaign launched on social media by the Cockroach Janata Party (CJP) and the call for a 'Parliament March' on July 20th. During the movement, slogans like "Rajya Sabha," "Jai Bhim," and "Azadi" were echoed, along with political and ideological slogans like "Down with RSS." This created the impression that the core issue of exam sanctity was gradually being overshadowed, and the movement's focus shifted to a broader political discourse. The entire nation stands with the millions of students and their families protesting the exam paper leak. However, violence, vandalism, or political interests cannot be supported. It is essential to maintain a clear distinction between democratic protest and anarchy. If the arrest of Sonam Wangchuk was a government strategy to control the movement, it was also the responsibility of those leading the movement to ensure that elements who undermined its core objective were not included in it. There is no doubt that the Ministry of Education bears responsibility for the question paper leaks in NEET, UGC-NET, and other competitive exams. Simply acknowledging the incidents to the press was not enough; timely and strict action should have been taken against the culprits.

In this regard, this is a serious failure of both the education system and the administration. Prime Minister Narendra Modi is known for his work ethic and administrative decisions. A high-level meeting should have been held on such a sensitive issue to ensure that examinations are conducted on time, results are released on time, and prompt and strict action is taken on matters like question paper leaks. The required urgency in this regard was not demonstrated. In India, competitive exams, from the CBSE Board to JEE, NEET, CUET, UGC-NET, SSC, UPSC, railway, banking, state public service commissions, and other exams, are not just exams but the foundation of the future of millions of youth and their families. Questioning their credibility undermines public confidence in the entire education system. In India, a government job is not just a job, but is considered a reward for economic security, social respect, and years of struggle for the entire family. Especially for rural, lower- and middle-class families, it is a life-changing opportunity. The joy of receiving a government job appointment letter is often greater than receiving crores of rupees, as it is the result of years of hard work, sacrifice, and hope. In this hope, many parents, despite their limited incomes, spend beyond their means on their children's education, coaching, books, rent, and other necessities. They believe that their child's success will end the family's hardships. In such a situation, a question paper leak not only impacts a single exam but also shatters years of hard work, faith, and financial sacrifice.

Many families are plunged into deep mental, social, and financial crisis, and for some young people, the despair becomes unbearable. The government should form a high-level committee to conduct an impartial and timely investigation into this entire matter. The circumstances of the families affected by the question paper leak and examination irregularities should be assessed and necessary financial and psychological support should be provided. Furthermore, the education system should be led by people who possess not only administrative competence but also accountability, transparency, and the ability to make decisions with student sensitivities. The integrity of examinations is not just a student issue, but a question for India's future. If hard-working young people lose faith in the system, the price will be paid not just by one government but by the entire nation.

An essential journey of the Nagari Pracharini Sabha to keep Hindi alive!

The Nagari Pracharini Sabha was founded in 1893 under the leadership of three Queen's College students: Babu Shyamsundar Das, Pandit Ramnarayan Mishra, and Shivkumar Singh. A library was established, books began to be published, and Nagari was widely promoted. In 1900, the Nagari Pracharini Sabha's efforts bore fruit, and Hindi gained acceptance in the courts. On July 14th, I received a message from the Nagari Pracharini Sabha: "Let's walk together for our language." The message informed me of a march from the Sabha's office in Maidagin to Queen's College, Lahurabir, on the occasion of its 134th foundation day on July 15th. Reading this message sent shivers down my spine. These four lines brought to mind Bharatendu ji standing at the Dadri fair, as if saying, "Brother, we don't even know what progress and improvement are. What should we consider good? What should we take and what should we leave?" I couldn't speak or listen. I remembered many conversations with Vyomesh Shukla and Santosh Rai. The enthusiasm they had for the meeting, the plans they were making in their minds, and the questions of how it would happen! Just as it must have been with Bharatenduji, the Nagari Pracharini Sabha was born, Hindi spread, and became the national language. The same thing will happen again; some students from Queen's College will come and continue the journey to uplift Hindi. They will uplift their country in their own language. Now, speaking of Queen's College, the British established Queen's Sanskrit College in 1791 with the intention of infiltrating Indian intellectual property by teaching Sanskrit. Before that, Aurangzeb had banned Sanskrit education. Therefore, it was enough for Pandit Kashinath that colleges opened and Sanskrit was preserved. A hundred years later, the Nagari Pracharini Sabha was established in 1893 under the leadership of three Queen's College students: Babu Shyamsundar Das, Pandit Ramnarayan Mishra, and Shivkumar Singh. Libraries were established, books began to be published, and Nagari was widely promoted. In 1900, the efforts of the Nagari Pracharini Sabha bore fruit, and Hindi gained acceptance in the courts. The aspirations of lazy Indians for the advancement of the Hindi language and the Devanagari script were fulfilled. The struggle that ensued between the establishment of these two, and those who dedicated their lives to their development, must have wondered: what can we do between Persian, English, and Sanskrit that will contribute to India's progress?

In November 1884, Bharatendu Harishchandra, who arrived at the Dadri Fair in Ballia, spoke from a packed forum about India's progress, saying, "Whatever happens in this unfortunate, lazy country is enough." When nothing happens in major cities like Varanasi, why wouldn't we say that what we saw in Ballia is highly commendable? Throughout his speech, Bharatendu Ji sharply satirized India's lazy citizens, concluding, "Brothers, wake up from your slumber and work towards the progress of your country in every way. Read books, play games, and converse in ways that benefit you. Don't rely on foreign goods or foreign languages. Progress in your own country, in your own language."

Establishment of the Nagari Pracharini Sabha in 1893 - His call to take pride in one's language, culture, and society worked. The Nagari Pracharini Sabha was established in 1893 under the leadership of three Queen's College students: Babu Shyamsundar Das, Pandit Ramnarayan Mishra, and Shivkumar Singh. A library was established, books began to be published, and Nagari gained widespread publicity. In 1900, the Nagari Pracharini Sabha's efforts bore fruit, and Hindi gained acceptance in the courts. Add to this the fact that even today, the Supreme Court and High Courts rely on English. But the true identity of an organization isn't just determined by its history, but also by its resilience over time. This is what makes the Nagari Pracharini Sabha special today. Founded in Banaras 134 years ago, the Nagari Pracharini Sabha played a major role in securing recognition for the Hindi language and the Devanagari script.At a time when Hindi was denied equal status at the government and social level, Persian had become entrenched, and English was the dominant language, the Sabha fought for the respect of the Nagari script. The Sabha created dictionaries to promote Hindi, published rare texts, and contributed to the development of Hindi literature—a journey of Hindi history itself. And Vyomesh Shukla and his colleagues are doing a commendable job of preserving and nurturing this legacy, in keeping.

मुरादाबाद में चरस तस्करी में भाजपा बूथ अध्यक्ष गिरफ्तार, पुलिस ने जब्त की बाइक

मुरादाबाद पुलिस ने भाजपा बूथ अध्यक्ष सुहैल अहमद समेत तीन को 2,220 ग्राम अवैध चरस के साथ गिरफ्तार किया है।

तस्करी में इस्तेमाल बुलेट बाइक भी जब्त की गई है, और आरोपियों का आपराधिक इतिहास खंगाला जा रहा है। 2,220 ग्राम अवैध चरस के साथ पुलिस ने सोमवार को भाजपा के बूथ अध्यक्ष सुहैल अहमद समेत तीन को गिरफ्तार किया है। आरोपितों के पास तस्करी में इस्तेमाल की जा रही बुलेट बाइक भी जब्त की है। आरोपित बूथ अध्यक्ष का मारपीट के मामले में पांच दिन पहले भी चालान किया गया था। क्षेत्राधिकारी अशोक कुमार ने बताया कि सुहैल के पास से 1050 ग्राम, फैसल के पास से 650 ग्राम और अनस के पास से 520 ग्राम यानी कुल 2,220 ग्राम अवैध चरस बरामद की गई है। आरोपितों के आपराधिक इतिहास को भी खंगाला जा रहाड्ड है। पुलिस के अनुसार, सुहैल के खिलाफ जालसाजी, जानलेवा हमले, अवैध हथियार रखने और एनडीपीएस एक्ट समेत कई आपराधिक मामले पहले से ही दर्ज हैं। आरोपित फैसल का भी लंबा आपराधिक इतिहास है।भाजपा के कुंदरकी मंडल अध्यक्ष संजय कश्यप ने बताया कि सुहैल के संबंध में पार्टी स्तर पर जांच कराकर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

ऑरेंज अलर्ट के बीच मुरादाबाद में झमाझम बारिश, गर्मी से राहत पर कई इलाकों में भरा पानी

मुरादाबाद में सुबह से हो रही तेज बारिश से उमस भरी गर्मी से राहत मिली है, हालांकि कई इलाकों में जलभराव हो गया है। यह बारिश धान सहित खरीफ फसलों के लिए बेहद फायदेमंद बताई जा रही है, और अगले दो दिन भी भारी वर्षा की संभावना है।मुरादाबाद में तेज बारिश, उमस भरी गर्मी से मिली राहत। कई इलाकों में जलभराव, आवागमन में हुई परेशानी। धान सहित खरीफ फसलों के लिए बारिश लाभदायक।जिले में सुबह से शहर में तेज बारिश का दौर जारी है। सुबह से ही आसमान में काले बादल छाए रहे, हल्की हवा चलती रही और बादलों की गरज के साथ लगातार वर्षा होती रही। बारिश से उमस भरी गर्मी से लोगों को काफी राहत मिली। मौसम विशेषज्ञों ने अगले दो दिन भी तेज वर्षा की संभावना जताई है।

कई इलाकों में भरा पानी- हालांकि, लगातार बारिश के कारण शहर के कई इलाकों में जलभराव हो गया। रामगंगा विहार, स्टेडियम रोड, अकबर किले के सामने, सम्राट अशोक नगर, विकास नगर, सूर्य नगर और कटघर समेत कई स्थानों पर सड़कों पर पानी भर गया, जिससे लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ा। न्यूनतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।धान के साथ इन खरीफ फसलों के लिए भी लाभदायक बारिश- कृषि विशेषज्ञों के अनुसार यह बारिश धान की रोपाई के बाद सबसे अधिक लाभकारी है। इससे खेतों में पर्याप्त नमी बनी रहेगी और सिंचाई की आवश्यकता कम होगी। इसके अलावा मक्का, गन्ना, बाजरा, ज्वार, उड़द, मूंग, सोयाबीन, तिल और अरहर जैसी खरीफ फसलों को भी इसका फायदा मिलेगा। पर्याप्त नमी मिलने से पौधों की बढ़वार बेहतर होगी और किसानों की सिंचाई लागत भी घटेगी।सोमवार को हुई थी 20.1 मिलीमीटर बारिश- इससे पहले सोमवार दोपहर शहर में 20.1 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई थी। दोपहर करीब 1ः30 बजे शुरू हुई बारिश शाम छह बजे तक रुक-रुक कर होती रही। झमाझम बारिश से उमस भरी गर्मी से लोगों को राहत मिली थी, लेकिन शहर के कई हिस्से जलमग्न हुए थे, जिससे जलभराव के बीच लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। स्कूलों की छुट्टी के समय बारिश शुरू होने से बच्चों को भीगते हुए घर लौटना पड़ा था। कई बच्चों के बैग और किताबें भी भीग गईं। लंबे समय से उमस और पसीने से परेशान लोग बारिश में भीगकर मौसम का आनंद लेते नजर आए थे।

NHAI ने दिया महंगाई का झटका: अलीगढ़-मुरादाबाद हाईवे टोल टैक्स बढ़ा, नई दरें जारी

अलीगढ़-मुरादाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग-509 पर टोल शुल्क में वृद्धि की गई है, जो 22 जुलाई से प्रभावी हो गई है। एनएचएआई द्वारा जारी नई दरों के अनुसार अब वाहन चालकों को पहले से अधिक टोल चुकाना होगा, जिसमें मासिक पास भी महंगे हुए हैं।अलीगढ़-मुरादाबाद NH-509 पर टोल शुल्क बढ़ा नई दरें 22 जुलाई से प्रभावी, NHAI ने लागू कीं- कार, बस, ट्रक सहित सभी वाहनों पर असर अलीगढ़-मुरादाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग-509 पर गांव मोहम्मद इब्राहिमपुर स्थित टोल प्लाजा से गुजरने वाले वाहन चालकों को अब पहले से अधिक टोल चुकाना होगा। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने टोल शुल्क की संशोधित दरें लागू कर दी हैं। नई दरों के अनुसार कार, जीप और वैन से लेकर भारी बहुधुरीय वाहनों तक सभी श्रेणियों में टोल शुल्क बढ़ाया गया है। संशोधित दरें 22 जुलाई से प्रभावी हैं और इन्हीं के अनुसार वसूली शुरू कर दी गई है। कार, बस, ट्रक और बहुधुरीय वाहनों के लिए अलग-अलग शुल्क दरें निर्धारित- एनएचएआइ के परियोजना निदेशक अरविंद कुमार ने बताया कि शुल्क संशोधन सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की अधिसूचना के तहत किया गया है। टोल प्लाजा से 20 किलोमीटर के दायरे में रहने वाले गैर-व्यावसायिक वाहन स्वामियों के लिए 2026-27 में 360 रुपये का मासिक पास उपलब्ध रहेगा। इसके अलावा गैर-व्यावसायिक वाहनों के लिए 3,075 रुपये का वार्षिक पास भी जारी रहेगा।नई दरों के अनुसार ये है शुल्क- नई दरों के अनुसार कार, जीप और हल्के मोटर वाहनों का एकल टोल 80 रुपये तथा एक दिन में आने-जाने का शुल्क 120 रुपये निर्धारित किया गया है। हल्के वाणिज्यिक वाहनों के लिए यह शुल्क 130 और 195 रुपये बस और दो धुरी वाले ट्रक के लिए 275 और 410 रुपये, तीन धुरी वाले वाणिज्यिक वाहनों के लिए 300 और 450 रुपये चार से छह धुरी वाले भारी वाहनों के लिए 430 और 645 रुपये सात या उससे अधिक धुरी वाले वाहनों के लिए 520 और 785 रुपये तय किया है। पहले ये था टोल- पहले कारों पर 80 रुपये टोल था, वही रहा, लेकिन अन्य अधिकांश श्रेणियों में शुल्क बढ़ाया गया। हल्के वाणिज्यिक वाहनों का एकल शुल्क 125 से बढ़कर 130 रुपये, बस और ट्रक का 265 से 275 रुपये, तीन धुरी वाले वाहनों का 290 से 300 रुपये, चार से छह धुरी वाले भारी वाहनों का 420 से 430 रुपये तथा सात या उससे अधिक धुरी वाले वाहनों का 510 से 520 रुपये कर दिया गया है। इसी तरह रिटर्न यात्रा और मासिक पास की दरों में भी वृद्धि की गई है।20 किलोमीटर दायरे के स्थानीय वाहन स्वामियों को मिली है विशेष रियायत- मासिक पास की नई दरों के तहत कार, जीप और वैन के लिए 2,695 रुपये, हल्के वाणिज्यिक वाहनों के लिए 4,350 रुपये, बस और ट्रक के लिए 9,120 रुपये, तीन धुरी वाले वाहनों के लिए 9,950 रुपये, चार से छह धुरी वाले वाहनों के लिए 14,300 रुपये तथा सात या उससे अधिक धुरी वाले वाहनों के लिए 17,410 रुपये निर्धारित किए गए हैं।

एक ही कमरे में चल रहीं 3-3 कक्षाएं, 14 परिषदीय स्कूलों के लिए सपना बना अपना भवन

मुरादाबाद में 14 परिषदीय विद्यालयों के पास अपने भवन नहीं हैं, जिससे वे दूसरे परिसरों में सीमित जगह में संचालित हो रहे हैं और छात्रों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। बीएसए के अनुसार, पुराने भवनों के ध्वस्तीकरण की सूची भेजी गई है और नए भवनों का निर्माण शासन स्तर से ही संभव होगा।नगर क्षेत्र के 14 परिषदीय विद्यालयों के लिए अपने भवन की व्यवस्था होना सपने की तरह हो गया है। जर्जर भवनों और पृथक भवन की सुविधा नहीं होने के कारण एक ही कक्ष में दो से तीन कक्षाओं का संचालन हो रहा है। सालभर से मर्ज करने और पृथक भवन बनने के लिए विभाग की ओर से व्यवस्था नहीं होने के कारण सीमित स्थान में कक्षाओं का संचालन करना पड़ रहा है।

जिसका असर विद्यार्थियों की पढ़ाई और शिक्षण व्यवस्था पर पड़ रहा है।

विभागीय जानकारी के अनुसार नगर क्षेत्र के 14 विद्यालयों के भवन जर्जर होने के कारण उन्हें सुरक्षा के मद्देनजर अन्य विद्यालयों में स्थानांतरित किया गया था। समय बीतने के बावजूद इन विद्यालयों के लिए नए भवन तैयार नहीं हो सके हैं।ऐसे विद्यालयों में पुलिस लाइंस परिसर में संचालित कंपोजिट विद्यालय पीटीसी भी है। इसे संचालित हुए पूरा एक साल हो गया है। अब तक पृथक भवन की व्यवस्था नहीं हो सकी है।विद्यालय बीते साल से सिर्फ दो कमरों में संचालित हो रहा है। सीलन और सीमित जगह के बीच कक्षा एक से आठ तक के 91 वर्तमान में इस विद्यालय में असहजता के कारण कक्षाओं में बैठ रहे हैं। वहीं परिसर में उनके लिए शौचालय की अलग व्यवस्था भी नहीं है और पुलिस लाइंस स्कूल के शौचालयों का उपयोग करना पड़ता है। केवल एक शिक्षिका तैनात हैं। भवन बदलने के बाद बीते वर्ष से छात्र संख्या 105 से घटकर 91 रह गई है। ऐसा ही हाल दूसरे विद्यालयों में संचालित हो रहे अन्य विद्यालयों का भी है।

एक ही परिसर में संचालित हो रहे विद्यालय- प्राथमिक विद्यालय कटघर पश्चिमी बालक, प्राथमिक विद्यालय कटघर पश्चिमी कन्या, प्राथमिक विद्यालय कटघर पूर्वी कन्या, प्राथमिक विद्यालय गाड़ी खाना, प्राथमिक विद्यालय कटघर पूर्वी बालक, प्राथमिक विद्यालय उडपुरा, कंपोजिट विद्यालय मकबरा, प्राथमिक विद्यालय बरवाला, प्राथमिक विद्यालय गल शाहिद, कंपोजिट विद्यालय मुगलपुरा, प्राथमिक विद्यालय असालतपुर कदम शामिल हैं।

इनके अलावा, प्राथमिक विद्यालय पुलिस लाइन, कंपोजिट विद्यालय पीटीसी, कंपोजिट विद्यालय राजकीय फेसगंज, प्राथमिक विद्यालय लाकड़ी वालान, प्राथमिक विद्यालय लालबाग कन्या, प्राथमिक विद्यालय लालबाग बालक, प्राथमिक विद्यालय मुफ्ती टोला, प्राथमिक विद्यालय जयंतीपुर, प्राथमिक विद्यालय धीमरी और प्राथमिक विद्यालय किसरौल भी एक ही परिसर में संचालित हो रहे हैं।

ऐसे विद्यालयों के लिए यू-डायस स्तर से ही सूची बनकर जाती है। विभाग के स्तर से यू-डायस पर पूरी जानकारी दी गई है। पुराने भवनों के ध्वस्तीकरण की सूची कार्यदायी संस्था को भेजी गई है। शासन स्तर से ही नये पृथक भवन आदि की व्यवस्था होगी तभी निर्माण हो सकेगा। - अमित कुमार, बीएसए।

आजम खां की जौहर यूनिवर्सिटी को बड़ी राहत, 38 भवनों के ध्वस्तीकरण पर मुरादाबाद कमिश्नर ने लगाई रोक

मुरादाबाद कमिश्नर ने आरडीए के जौहर यूनिवर्सिटी के 38 भवनों के ध्वस्तीकरण आदेश पर अगली सुनवाई तक रोक लगा दी है। आदेश के बाद फिलहाल यूनिवर्सिटी पर बुलडोजर कार्रवाई नहीं होगी। जौहर ट्रस्ट ने आरडीए के आदेश को मंडलायुक्त न्यायालय में चुनौती दी थी।जौहर यूनिवर्सिटी के 40 में से 38 भवनों को ध्वस्त करने के रामपुर विकास प्राधिकरण (आरडीए) के आदेश पर मुरादाबाद के कमिश्नर एवं आरडीए के अध्यक्ष आंजनेय कुमार सिंह ने अगली सुनवाई और अगले आदेशों तक रोक लगा दी है। आरडीए के उपाध्यक्ष एवं रामपुर के डीएम अजय कुमार द्विवेदी के स्तर से बिना नक्शा पास हुए बने 38 भवनों के ध्वस्तीकरण का आदेश जारी होने के बाद यूनिवर्सिटी प्रबंधन और जौहर ट्रस्ट ने प्राधिकरण अध्यक्ष एवं कमिश्नर के न्यायालय में अपील दाखिल की थी। उधर, यूनिवर्सिटी प्रबंधन और जौहर ट्रस्ट द्वारा इस मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट में दाखिल याचिका पर सुनवाई के लिए 28 जुलाई की तारीख निर्धारित है। आरडीए उपाध्यक्ष एवं डीएम ने 15 जुलाई को जौहर यूनिवर्सिटी के 38 भवनों को ध्वस्त करने का आदेश दिया था।

इसके बाद जौहर ट्रस्ट और यूनिवर्सिटी प्रबंधन की ओर से कमिश्नर के न्यायालय में दाखिल अपील की सुनवाई के लिए 28 जुलाई (मंगलवार) की तारीख निर्धारित की गई थी।

संक्षिप्त समाचार

रात में कांवड़ियों के पास भी नहीं फटकेगा तेंदुआ! UP पुलिस की यह अनोखी ड्रैगन लाइट तकनीक करेगी सुरक्षा

मुरादाबाद पुलिस ने कांवड़ यात्रा के लिए कांवड़ मोबाइल वाहन तैयार किए हैं, जिनमें ड्रैगन लाइटें और लाउडस्पीकर लगे हैं। ये वाहन कांवड़ियों को तेंदुओं के हमलों और सड़क हादसों से बचाने के साथ-साथ हाईवे पर वाहनों की गति नियंत्रित करने में मदद करेंगे।मुरादाबाद में पुलिस लाइन की 10 सूमो गाड़ियों को किया गया तैयार-हर गाड़ी पर तेज ड्रैगन सर्च लाइटों के साथ लगाए जाएंगे लाउड स्पीकरतेंदुओं के बढ़ते हमले व सड़क हादसों के बीच मुरादाबाद की पुलिस ने सावन के महीने में कांवड़ियों की दोहरी सुरक्षा की तैयारी कर ली है। पुलिस लाइंस में खड़ीं 10 सूमो गाड़ियों की सर्विसिंग कराकर 'कांवड़ मोबाइल' तैयार हो रहीं हैं। ड्रैगन (सर्च) लाइट से युक्त ये गश्ती वाहन पूरी तरह शिवमय होंगे। मुरादाबाद के दिल्ली-लखनऊ हाईवे के आसपास, कांठ-ठाकुरद्वारा क्षेत्र व अन्य बाहरी इलाकों में काफी समय से तेंदुओं की मौजूदगी लगातार सामने आ रही है। कुछ मामलों में तेंदुओं ने लोगों पर हमला भी किया है। इसी के मद्देनजर कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुलिस लाइन में उपयोग किये जाने वाले 10 सूमो वाहनों को %कांवड़ मोबाइल% के रूप में तैयार कराया है।इन वाहनों पर भगवान शिव, त्रिशूल, डमरू, गंगा नदी और पूजा करते श्रद्धालु के चित्र बनाए गए हैं। प्रत्येक वाहन में छह-छह हाईपावर सर्च (ड्रैगन) लाइटें, लाउडस्पीकर और अन्य आवश्यक सुरक्षा उपकरण लगाए गए हैं।पुलिस अधिकारियों की वन विभाग के अफसरों से इस संदर्भ में बातचीत में पता चला था कि तेज रोशनी और लाउडस्पीकर की आवाज से तेंदुए डरते हैं। इसलिए यह व्यवस्था की। माना जा रहा कि तेज लाइट और आवाज से तेंदुए कांवड़ियों के पास नहीं आएंगे।वहीं, इन गश्ती वाहनों की मौजूदगी से हाईवे पर अनारक्षित लेन पर तेज गति से वाहन चलाने वालों पर भी प्रभावी अंकुश लगाया जा सकेगा। एसएसपी सतपाल अंतिल बताते हैं कि अमरोहा और रामपुर के बीच हाईवे के लगभग 35 किलोमीटर क्षेत्र, कांठ व ठाकुरद्वारा रोड पर इन कांवड़ मोबाइल वाहनों की नियमित गश्त कराई जाएगी। अमरोहा में हाईवे पर सीमित रहेगी वाहनों की रफ्तार- अमरोहा में दिल्ली-लखनऊ हाईवे पर 56 किलोमीटर के एरिया में 30 जुलाई से 28 अगस्त तक भारी वाहन अधिकतम 30 व हल्के वाहन 40 किमी प्रतिघंटा से चला सकेंगे। इससे तेज स्पीड पर चालान होगा, इसके लिए रास्ते में तीन जगह स्पीड राडार गन लगेंगी।एसपी लखन सिंह यादव ने कांवड़ यात्रा के दौरान एकतरफ का मार्ग आरक्षित होने के बावजूद होने वाली दुर्घटनाओं पर नियंत्रण करने के लिए यह व्यवस्था पहली बार लागू की है। इसके अलावा 57 ड्रोन के जरिये भी रूट पर निगरानी रखी जाएगी। रामपुर में कांवड़ जत्था एप से निगरानी-रामपुर की पुलिस ने 'कांवड़ जत्था' मोबाइल एप तैयार किया है। कांवड़ियों को क्यूआर कोड युक्त कार्ड दिये जाएंगे। इसे स्कैन करते ही एप मोबाइल फोन में डाउनलोड हो जाएगा, जिसमें यात्री नाम-पता दर्ज करेंगे। एप से पुलिस कांवड़ यात्रियों की लोकेशन पर नजर रख सकेगी। एप में 'कुशलता' और 'परेशानी' के विकल्प होंगे। परेशानी विकल्प चुनने पर संबंधित जिले को लोकेशन और मोबाइल नंबर देकर मदद भिजवा सकेगा। इसके लिए यात्रियों को मोबाइल की लोकेशन ऑन रखनी होगी।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

विश्व हिंदू महासंघ इकाई तहसील फरीदपुर ने सावन माह में मांस एवं मदिरा की दुकानों को बंद कराने हेतु थाना अध्यक्ष भुता को सौंपा ज्ञापन

क्यूँ न लिखूँ सच / शेर सिंह/ भुता, बरेली - विश्व हिंदू महासंघ इकाई तहसील फरीदपुर, जनपद बरेली द्वारा सावन माह की धार्मिक गरिमा एवं श्रद्धालुओं की आस्था को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी थाना अध्यक्ष भुता को ज्ञापन सौंपकर सावन माह के दौरान मांस एवं मदिरा की दुकानों को बंद कराए जाने की मांग की गई।

ज्ञापन के माध्यम से संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि सावन माह हिंदू धर्म का अत्यंत पवित्र एवं श्रद्धा का महीना है। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु भगवान शिव की आराधना, कांवड़ यात्रा, जलाभिषेक एवं धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लेते हैं। ऐसे में मांस एवं मदिरा की खुली बिक्री से धार्मिक भावनाएं आहत होने की आशंका रहती है।

इसलिए जनभावनाओं एवं सामाजिक सौहार्द को ध्यान में रखते हुए सावन माह में मांस एवं मदिरा की दुकानों को अस्थायी रूप से बंद कराया जाना जनहित में आवश्यक है। थाना अध्यक्ष भुता ने संगठन के पदाधिकारियों का ज्ञापन प्राप्त कर उसे नियमानुसार संबंधित अधिकारियों तक भेजने का आश्वासन दिया।

इस अवसर पर विश्व हिंदू महासंघ के तहसील प्रभारी हरीश कुमार, तहसील अध्यक्ष पुष्पाल गंगवार, तहसील मीडिया प्रभारी गुरपाल सिंह, तहसील मंत्री राजकुमार, तहसील महामंत्री अर्पित कुमार तथा कार्यकर्ता उमेश, मोहित गंगवार, वीरेश कुमार, वीरपाल, मुनेंद्र, सतीश सहित संगठन के अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कांवड़ यात्रा के दौरान रहेगी कड़ी सुरक्षा व्यवस्था, एडीजी रमित शर्मा ने दिए अफसरों को निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। कांवड़ यात्रा के दौरान सुरक्षा, यातायात व्यवस्था और डीजीपी के प्रस्तावित कार्यक्रम की तैयारी को लेकर एडीजी जोन रमित शर्मा ने सोमवार रात बरेली पुलिस लाइन में जोन स्तरीय समीक्षा बैठक बुलाई। यहां बरेली के डीआईजी अजय कुमार साहनी व मुरादाबाद के डीआईजी मुनिराज गोबू के साथ ही जोन के सभी नौ जिलों के पुलिस अधीक्षक व अन्य पुलिस अधिकारी मौजूद रहे। रात साढ़े दस बजे तक चली बैठक में एडीजी ने कांवड़ियों की सुरक्षा को लेकर अफसरों को निर्देश दिए।

एडीजी ने कहा कि जत्थों में महिलाएं भी रहेंगी, इसलिए सुरक्षा के सभी बेहतर विकल्प अपनाए जाएं। शिवालयों पर हर सोमवार खास सतर्कता बरती जाए। चोर उचक्कों व शोहदों से पुलिस सख्ती से निपटे। बैठक में यातायात प्रबंधन को सुचारु बनाने के लिए निर्देश दिए। साथ ही, भीड़ नियंत्रण और पार्किंग की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। पड़ोसी जिलों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने को प्राथमिकता दी गई।

गौशाला पर गरजा बुलडोजर, सरकारी जमीन कराई मुक्त, विरोध के बीच पुलिस छावनी बना मौलानगर

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। शहर के प्रेमनगर थाना क्षेत्र स्थित मौलानगर में मंगलवार को बरेली विकास प्राधिकरण का चाबुक चला। पार्क की सरकारी जमीन पर बनी %कामधेनु गौशाला% को गिराने के लिए बीडीए की टीम बुलडोजर लेकर पहुंची। बुलडोजर की गड़गड़ाहट शुरू होते ही इलाके में तनाव की स्थिति बन गई। गौशाला समर्थकों ने ध्वस्तीकरण का विरोध किया, लेकिन मौके पर मौजूद भारी पुलिस बल ने हालात को संभाल लिया और अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई पूरी की गई।

कार्रवाई के दौरान किसी भी तरह के बवाल से निपटने के लिए प्रशासन ने पुख्ता इंतजाम किए थे। सुबह से ही मौलानगर और आसपास का इलाका पुलिस छावनी में तब्दील हो गया था। मौके पर प्रेमनगर पुलिस के साथ-साथ पीएसी की एक कंपनी तैनात की गई थी। सीओ सिटी, मजिस्ट्रेट और अन्य प्रशासनिक अधिकारी भी मौके पर डटे रहे। इलाके में आने-जाने वाले हर व्यक्ति पर कड़ी नजर रखी गई ताकि कोई अप्रिय घटना न घटे।

500 वर्गगज सरकारी जमीन पर था कब्जा मौलानगर स्थित कामधेनु गौशाला का संचालन महामंडलेश्वर संजीव गौड़ से जुड़ा हुआ बताया जाता है। स्थानीय लोगों ने लंबे समय से शिकायत कर रखी थी कि गौशाला के नाम पर पार्क की सरकारी जमीन पर अवैध निर्माण किया गया है। आरोप था कि करीब 500 वर्गगज सार्वजनिक भूमि पर कब्जे के कारण मोहल्ले के बच्चों के खेलने और बुजुर्गों के टहलने की जगह छिन गई थी।

शिकायत की जांच में आरोप सही पाए गए, जिसके बाद बीडीए ने ध्वस्तीकरण का रास्ता साफ किया। बता दें कि इससे पहले 24 जुलाई को भी कार्रवाई की पूरी तैयारी थी और पुलिस-पीएसी तैनात थी, लेकिन बीडीए की टीम के न पहुंचने से बुलडोजर बैरंग लौट गया था। मंगलवार को टीम ने पूरी तैयारी के साथ आकर एक्शन लिया।

प्रधानमंत्री के हेलीपैड निर्माण में अनिमियता पर पीडब्ल्यूडी के एक्सईएन जांच के घेरे में,रिपोर्ट जल्द शासन को भेजी जाएगी

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वर्ष 2024 में बरेली दौरे के दौरान बनाए गए हेलीपैड के निर्माण में कथित लापरवाही के मामले में लोक निर्माण विभाग (निर्माण खंड-1) के अधिशासी अभियंता राजीव अग्रवाल के खिलाफ जांच प्रक्रिया तेज हो गई है। सूत्रों के अनुसार, तत्कालीन जिलाधिकारी रविंद्र कुमार द्वारा शासन को भेजे गए शिकायती पत्र के आधार पर शासन स्तर से जांच के आदेश दिए गए थे। जानकारी के मुताबिक, जांच के लिए गठित समिति में लोक निर्माण विभाग (राष्ट्रीय राजमार्ग) के मुख्य अभियंता अरविंद कुमार जैन को जांच अधिकारी बनाया गया है। जबकि लोक निर्माण विभाग प्रांतीय खंड, बरेली के अधिशासी अभियंता को समिति का सदस्य नामित किया गया है। गत सप्ताह समिति ने मामले से जुड़े दोनों अधिकारियों का पक्ष सुना और संबंधित अभिलेखों की भी समीक्षा की।

सूत्रों का कहना है कि जांच रिपोर्ट तैयार होने के बाद शासन को भेजा जाएगा। जिसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल जांच जारी है और अभी तक किसी अधिकारी को दोषी नहीं ठहराया गया है। ऐसे में मामले में अंतिम निर्णय जांच रिपोर्ट के आधार पर ही लिया जाएगा। बताते चलें कि 25 अप्रैल 2024 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बरेली के ग्राम आलमपुर जाफराबाद में जनसभा आयोजित हुई थी। कार्यक्रम के लिए हेलीपैड निर्माण की जिम्मेदारी लोक निर्माण विभाग, निर्माण खंड-1 को सौंपी गई थी। इसी कार्य में कथित लापरवाही के आरोपों के बाद तत्कालीन जिलाधिकारी रविंद्र कुमार ने अधिशासी अभियंता राजीव अग्रवाल के विरुद्ध शासन को रिपोर्ट भेजी थी, जिसके बाद इस मामले की जांच शुरू की गई।

लाठी-डंडों से पीटा विवाहित को तीन तलाक देकर घर से निकाला

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। जिले के सीबीगंज थाना क्षेत्र के गांव सनूआ में एक विवाहिता ने अपने पति और ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप लगाए हैं. महिला का कहना है कि दहेज की मांग पूरी न होने और लगातार बेटियां पैदा होने की बात को लेकर उसे लंबे समय से प्रताड़ित किया जा रहा था। विवाद इतना बढ़ गया कि उसके साथ बेरहमी से मारपीट की गई। आरोप है कि उसके प्राइवेट पार्ट में लात मारी गई, लाठी-डंडों और लात-घूंसों से बेरहमी से पीटा गया, फिर तीन तलाक देकर घर से निकाल दिया गया। घायल हालत में परिजनों ने उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसका इलाज चल रहा है. पुलिस ने महिला की शिकायत लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

दरअसल, बरेली के सीबीगंज थाना क्षेत्र के सनूआ गांव की रहने वाली 28 वर्षीय तंजीम ने बताया कि उसकी शादी बाबू खां से हुई थी। उसका पति इलेक्ट्रिक का काम करता है। शादी के कुछ समय बाद से ही ससुराल वाले मायके से रुपये लाने का दबाव बनाने लगे थे। आरोप है कि मांग पूरी नहीं होने पर अक्सर गाली-गलौज और मारपीट की जाती थी। बच्चों की वजह से वह लंबे समय तक सब कुछ सहती रही, लेकिन हालात लगातार बिगड़ते चले गए।

मारपीट के दौरान गंभीर चोट लगने का आरोप- महिला का आरोप है कि पति ने पहले गाली-गलौज शुरू की। जब उसने विरोध किया तो पति ने लाठी-डंडों और लात-घूंसों से हमला कर दिया। तंजीम का कहना है

कि मारपीट के दौरान उसके शरीर के कई हिस्सों पर चोटें आईं. उसने आरोप लगाया कि उसके प्राइवेट पार्ट पर भी लात मारी गई, जिससे उसे गंभीर चोट आई और ब्लीडिंग शुरू हो गई। वह दर्द से चीखती रही, लेकिन किसी ने उसे बचाने की कोशिश नहीं की. घटना की जानकारी मिलने पर मायके पक्ष के लोग गांव पहुंचे। उन्होंने 108 एंबुलेंस की मदद से महिला को जिला अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों की निगरानी में उसका इलाज चल रहा है।

पांच साल पुराने चर्चित हत्याकांड में 5 दोषियों को आजीवन कारावास , कोर्ट ने लगाया 3.90 लाख का जुर्माना

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। 2021 के चर्चित परगवां हत्याकांड में अदालत ने बड़ा फैसला सुनाते हुए पांच दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। प्रभावी पैरवी और मजबूत साक्ष्यों के आधार पर एडीजे-01 कोर्ट ने सभी अभियुक्तों को हत्या, हत्या के प्रयास, आपराधिक धमकी एवं षड्यंत्र के मामले में दोषी करार दिया। मामला थाना कैंट क्षेत्र का है, जहां 20 जून 2021 को ग्राम प्रधान चुनाव की रंजिश के चलते मोहम्मद इशहाक अली की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी, जबकि उनकी पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गई थीं। इस मामले में थाना कैंट पर मुकदमा दर्ज किया गया था। अदालत ने मोहर सिंह, भगवत पटेल, राहुल उर्फ धीरू और लोकेश पटेल को हत्या के आरोप में आजीवन कारावास तथा विभिन्न धाराओं में अतिरिक्त सजा और जुर्माने से दंडित किया। वहीं षड्यंत्र में शामिल दोषी आशिया को भी आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। सभी दोषियों पर कुल 3.90 लाख का अर्थदंड भी लगाया गया है।

इस मामले में सजा दिलाने में पुलिस और अभियोजन की प्रभावी पैरवी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य के निर्देशन में ऑपरेशन कन्विक्शन अभियान के तहत मजबूत पैरवी के चलते अभियुक्तों को सजा दिलाई गई, जिसे पुलिस की बड़ी सफलता माना जा रहा है।

कांवड़ यात्रा पर ADG रमित शर्मा का सुरक्षा मिशन, कछला घाट से चार जिलों को दिया हाई अलर्ट

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली,बदायूं। श्रावण मास एवं कांवड़ यात्रा-2026 को सुरक्षित और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए अपर पुलिस महानिदेशक, बरेली जोन रमित शर्मा ने मंगलवार को कछला घाट का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इसके बाद पुलिस लाइन सभागार में बदायूं, बरेली, शाहजहांपुर और संभल के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान ष्ठत्र ने बैरिकेडिंग, सीसीटीवी, वॉच टावर, लाइफ जैकेट, गोताखोर, जल पुलिस, मेडिकल कैंप, एम्बुलेंस और रेस्क्यू संसाधनों की तैयारियों की जांच की। उन्होंने सभी सुरक्षा उपकरणों को हर समय सक्रिय रखने के निर्देश दिए। बैठक में कांवड़ मार्ग पर मजबूत सुरक्षा व्यवस्था, ट्रैफिक डायवर्जन, महिला श्रद्धालुओं की सुरक्षा, संयुक्त पेट्रोलिंग, प्रभावी अंतर्जनपदीय समन्वय और आपात स्थिति से निपटने के लिए QRT व रिजर्व पुलिस बल को 24 घंटे अलर्ट रखने के निर्देश दिए। साथ ही पुलिसकर्मियों को श्रद्धालुओं के प्रति विनम्र एवं सहयोगात्मक व्यवहार अपनाने पर जोर दिया।

शादी का वादा कर युवती से दुष्कर्म के आरोपी को आंवला पुलिस ने किया गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। आंवला पुलिस ने शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म करने, गर्भवती होने पर गर्भपात कराने और विरोध करने पर जान से मारने की मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस 20 जुलाई 2026 को थाना आंवला में मुकदमा मऊचंदपुर निवासी सत्यम ने शादी का झांसा बनाए। गर्भवती होने पर उसका गर्भपात कराया सहयोगियों पर धोखे से नोटरीशुदा समझौते जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप है। मुकदमा दर्ज होने के बाद पुलिस लगातार आरोपी की तलाश में दबिश दे रही थी। मुखबिर की सूचना पर 28 जुलाई को पुलिस टीम ने ग्राम मऊचंदपुर स्थित उसके घर पर छापा मारकर आरोपी सत्यम पुत्र कल्लू यादव (28 वर्ष) को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी के विरुद्ध आवश्यक वैधानिक कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय में पेश किया जा रहा है। पुलिस ने बताया कि आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज है। इस कार्रवाई को वरिष्ठ उपनिरीक्षक धर्मपाल सिंह के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने सफलतापूर्वक अंजाम दिया।

धमकी देने के सनसनीखेज मामले में के अनुसार, पीड़िता की शिकायत पर दर्ज किया गया था। आरोप है कि ग्राम देकर युवती के साथ शारीरिक संबंध गया। इतना ही नहीं, आरोपी के पर हस्ताक्षर कराने और विरोध करने पर

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

मकान का ताला तोड़कर सामान चोरी, सीसीटीवी में कैद हुआ चोर

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। सुभाषनगर थाना क्षेत्र के जागृति नगर में बंद पड़े मकान का ताला तोड़कर चोर हजारों रुपये का घरेलू सामान समेट ले गए। घटना का पता तब चला जब मकान की देखरेख कर रहे रिश्तेदार करीब एक माह बाद वहां पहुंचे। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

रामचंद्र पुरम निवासी रमेश चंद्र पाठक के मुताबिक उनकी बहन रानी पाठक अपने परिवार के साथ दिल्ली में रहती हैं। जागृति नगर स्थित उनके मकान में ताला लगा रहता है और उसकी चाबी उनके पास थी। करीब एक माह से वह भी दिल्ली में बहन के पास थे। 26 जुलाई की दोपहर दिल्ली से आने पर वह मकान देखने पहुंचे तो ऊपर बने स्टोर रूम का ताला टूटा मिला और पूरा सामान बिखरा पड़ा था। जांच करने पर पता चला कि स्टोर में रखा मिक्सर-ग्राइंडर, पांच रजाइयां, चार सीलिंग पंखे, एक टेबल फैन, स्टील का डिनर सेट तथा शादी में मिले कई बर्तन और बड़ी परात समेत अन्य सामान चोरी हो चुका था। सीसीटीवी फुटेज और पुलिस की कार्रवाई रमेश ने बताया कि मकान के मुख्य गेट और नीचे सीसीटीवी कैमरे लगे हैं, जिनमें एक संदिग्ध व्यक्ति के घर में प्रवेश करने की फुटेज भी दिखाई दे रही है। सुभाषनगर पुलिस मुकदमा दर्ज कर सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की तलाश कर रही है।

मिनिस्टीरियल एसोसियेशन बरेली के प्रांतीय उपाध्यक्ष ने मुख्य अभियंता से भेंट की

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। लोक निर्माण विभाग बरेली के मुख्य अभियन्ता, चंद्रशेखर प्रसाद गुप्ता से

मिनिस्टीरियल एसोसिएशन बरेली क्षेत्र के प्रांतीय उपाध्यक्ष, राजेश सागर विकास गंगवार, प्रांतीय सदस्य/ योगेश कुमार, क्षेत्रीय अध्यक्ष / राजेश कुमार क्षेत्रीय मंत्री /किरन देवी, उपाध्यक्ष/ श्री तरुण सक्सेना, जनपद अध्यक्ष / संजीव कुमार जिला मंत्री / प्रेम कुमार कौशल, कोषाध्यक्ष / हरीश चंद्र भट्ट, संगठन मंत्री / चन्द्र प्रकाश गौतम, संप्रेक्षक एवं अन्य कार्यकारणी सदस्यों शिष्टाचार भेंट की। जिसमें विभिन्न प्रकरणों पर चर्चा भी हुई । इससे पूर्व सभी ने मुख्य अभियंता पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया।

सीएजी के निर्देशों के तहत होगा डीएमएफ खातों का ऑडिट, 3 अगस्त तक करें आवेदन

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। जनपद बरेली में जिला खनिज फाउंडेशन (डीएमएफ) न्यास के वित्तीय वर्ष 2025-26 के खातों के लेखा परीक्षण (ऑडिट) की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। निदेशक, भूतत्व एवं खनिकर्म, उत्तर प्रदेश तथा भारत सरकार के खान मंत्रालय के संशोधित दिशा-निर्देशों के तहत प्रधानमंत्री खनिज क्षेत्र कल्याण योजना के अनुपालन में यह ऑडिट कराया जाएगा। जिला खनिज फाउंडेशन न्यास के भारतीय स्टेट बैंक, मुख्य शाखा कचहरी, बरेली में संचालित खातों का ऑडिट भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) द्वारा सूचीबद्ध चार्टर्ड एकाउंटेंट (सीए) से कराया जाएगा। इस कार्य के लिए इच्छुक एवं पात्र चार्टर्ड एकाउंटेंट अपनी निविदा/कोटेशन 27 जुलाई 2026 से 3 अगस्त 2026 तक प्रतिदिन प्रातः 10ः00 बजे से सायं 5ः00 बजे के बीच जिलाधिकारी कार्यालय, बरेली के खनन अनुभाग में जमा कर सकते हैं। प्रशासन ने पात्र चार्टर्ड एकाउंटेंट से निर्धारित अवधि के भीतर आवेदन प्रस्तुत करने का अनुरोध किया है, ताकि ऑडिट की प्रक्रिया समयबद्ध एवं पारदर्शी ढंग से पूर्ण की जा सके।

आदिवासियों की जमीन पर दोबारा कब्जा पड़ा भारी, एसडीएम ने तीन आरोपियों के खिलाफ जारी किए जेल वारंट

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अर्पित वर्मा के निर्देश पर पोहरी एसडीएम जेपी गुप्ता ने आदिवासी पट्टाधारियों की जमीन पर दोबारा अवैध कब्जा करने के मामले में सख्त कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों के खिलाफ जेल वारंट जारी किए हैं। जानकारी के अनुसार, कुछ समय पहले राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम ने ग्राम अनभौरा में दबंगों के कब्जे से करीब 150 बीघा से अधिक शासकीय भूमि, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 3 करोड़ है, को मुक्त कराकर 64 आदिवासी पट्टाधारियों को सौंपा था। कार्रवाई के दौरान संबंधित लोगों से लिखित बाउंड ओवर भी भरवाया गया था कि वे भविष्य में इस भूमि पर दोबारा कब्जा नहीं करेंगे। इसके बावजूद शिकायत मिली कि कब्जा हटने के बाद कुछ लोगों ने फिर से उसी जमीन पर अवैध कब्जा कर लिया। शिकायत की जांच के बाद एसडीएम ने मामले को गंभीर मानते हुए अशोक कुमार जाट, विनीत कुमार जाट और जुगवीर जाट, निवासी ग्राम अनभौरा, के खिलाफ जेल वारंट जारी करने के आदेश दिए हैं। एसडीएम जेपी गुप्ता ने कहा कि कलेक्टर अर्पित वर्मा के निर्देशानुसार जनजातीय समुदाय की जमीन पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसे मामलों में दोषियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

24 घंटे में नकबजनी का खुलासा, आरोपी गिरफ्तार; 60 हजार का मशरूका बरामद

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। पोहरी थाना पुलिस ने इलेक्ट्रॉनिक दुकान में हुई नकबजनी की वारदात का 24 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर चोरी गया सामान एवं वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल सहित कुल ?60 हजार का मशरूका बरामद किया है। आरोपी को न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया।

पुलिस के अनुसार, 27 जुलाई को जटवारा निवासी देवेन्द्र कुशवाह ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि अज्ञात बदमाश उनकी इलेक्ट्रॉनिक दुकान का ताला तोड़कर केवल (तार) एवं अन्य सामान चोरी कर ले गए हैं। शिकायत पर प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई।

पुलिस अधीक्षक श्रीमती यांगचेन डोलकर भूटिया के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आर.डी. प्रजापति तथा एसडीओपी पोहरी आनंद राय के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी रवि चौहान के नेतृत्व में गठित टीम ने सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर की सूचना के आधार पर राजा विश्वकर्मा (24) निवासी संजय कॉलोनी, शिवपुरी को गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ में आरोपी ने अपने दो साथियों विजय कल्हार एवं लक्ष्मण कल्हार के साथ मिलकर नायरा पेट्रोल पंप के पास स्थित इलेक्ट्रॉनिक दुकान का ताला तोड़कर केवल चोरी करना स्वीकार किया। आरोपी की निशानदेही पर गौशाला के पास पिपरघार पुलिया के नीचे छिपाकर रखी गई चोरी की केवल तथा वारदात में प्रयुक्त पैशन प्रो मोटरसाइकिल (क्रमांक MP33MS7067) बरामद की गई।

पुलिस ने चोरी की केवल की कीमत करीब ?20 हजार तथा मोटरसाइकिल की कीमत करीब ?40 हजार बताते हुए कुल ?60 हजार का मशरूका जब्त किया है। आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। मामले में अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।इस कार्रवाई में थाना प्रभारी रवि चौहान, उपनिरीक्षक वीरेन्द्र परिहार, प्रधान आरक्षक हृदेश पाराशर सहित पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

मनीष पाल देश के लिए हुए शहीद भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी

क्यूँ न लिखूँ सच / अनिल कुमार/ गंजबासौदा/ मनीष पाल विदिशा जिले के बासौदा तहसील के प्रसिद्ध देव स्थल के उदयपुर ग्राम के मनीष पाल भारतीय सेना में थे जो देश के लिए सेवाएं दे रहे थे देश के प्रति लड़ते-लड़ते देश के लिए शहीद हो गए इस दुख भरी घटना सुनते क्षेत्र में दु:ख की लहर छाई उनका सेवा स्तर से उनके निज ग्राम उदयपुर लाया गया पुरे ग्राम में भारतीय सेना गाड़ी से सालामी देकर जुलूस निकाला गया सभी ने भावपूर्ण श्रद्धांजलि

और सलामी दी इस भावपूर्ण श्रद्धांजलि में कुरवाई विधायक हरि सिंह सप्रे भारतीय सेना के लोग, क्षेत्र के युवा, महिलाएं समाजसेवी पुलिस बल भारी संख्या में उपस्थित रहा भारतीय सेवा के नियम अनुसार उनको सलामी देकर अंतिम संस्कार किया गया इस दुखी समय में भगवान उनके परिवार को इस दु:ख शहन करने की शक्ति प्रदान करे मोन धारण करके सभी ने भगवान से प्रार्थना किया द्य

राजेंद्र पाल गौतम ने भाजपा पर साधा निशाना, एकता और संविधान बचाने का किया आह्वान

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। रामपुर स्थित जौहर विश्वविद्यालय को लेकर उत्तर प्रदेश की राजनीति एक बार फिर गर्मा गई है। भारतीय जनता पार्टी सरकार के कथित रवैये के विरोध में कांग्रेस ने बड़ा शक्ति प्रदर्शन किया। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम के रामपुर आगमन पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया और सरकार की नीतियों पर तीखा हमला बोला।

कार्यक्रम में बरेली महानगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दिनेश दादा के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल हुए। इस दौरान प्रवक्ता पंडित राज शर्मा, सुरेश दिवाकर, डॉ. हरीश गंगवार, राजाराम साहू, विश्वास साहू सहित कई वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

सभा को संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम ने कहा कि समाज को जाति और बिरादरी के नाम पर बांटने की राजनीति से ऊपर उठकर एकजुट होने की जरूरत है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा की राजनीति समाज को विभाजित कर सत्ता में बने रहने पर आधारित है, जबकि कांग्रेस सामाजिक समरसता और भाईचारे को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है।राजेंद्र पाल गौतम ने युवाओं पर पुलिस कार्रवाई, महिलाओं की सुरक्षा, महंगाई और बेरोजगारी जैसे मुद्दों को उठाते हुए सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जनता के वास्तविक मुद्दों से ध्यान भटकाया जा रहा है और लोकतांत्रिक तरीके से ऐसी सरकार को सत्ता से बाहर करना समय की मांग है।

उन्होंने देशवासियों से संविधान, लोकतंत्र और सामाजिक न्याय की रक्षा के लिए एकजुट होने का आह्वान किया और कहा कि कांग्रेस सभी वर्गों को साथ लेकर न्याय, समानता और भाईचारे की राजनीति को आगे बढ़ाने के लिए लगातार संघर्ष करती रहेगी।

नीम के पेड़ से लटका मिला युवक का शव, क्षेत्र में फैली सनसनी

क्यूँ न लिखूँ सच / बिलारी । तहसील क्षेत्र के ग्राम खंडवा में सोमवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब एक युवक का शव खेत के किनारे नीम के पेड़ से लटका हुआ मिला। सूचना मिलते ही पुलिस व फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम खंडवा निवासी धर्मेंद्र (लगभग 30 वर्ष), पुत्र ओमप्रकाश सिंह का शव कृषि विज्ञान केंद्र के पास स्थित धान के खेत के किनारे एक नीम के पेड़ से रस्सी के सहारे लटका हुआ पाया गया। घटना की सूचना ग्राम प्रधान रविंद्र चौधरी द्वारा पुलिस को दी गई।सूचना मिलते ही कोतवाली प्रभारी उदय प्रताप सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। फॉरेंसिक टीम ने मौके से आवश्यक साक्ष्य एकत्र किए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।बताया जा रहा है कि मृतक धर्मेंद्र खेती-बाड़ी का कार्य करते थे तथा उनके पिता के नाम करीब 25 बीघा कृषि भूमि है। धर्मेंद्र का विवाह लगभग दस वर्ष पूर्व उषा निवासी ग्राम चिकना फेजनगर, थाना सिविल लाइन, जनपद रामपुर के साथ हुआ था। दंपत्ति की कोई संतान नहीं थी।परिवार में धर्मेंद्र के अलावा दो भाई और एक बहन कंचन हैं, जिनका विवाह हो चुका है। छोटे भाई सुरेंद्र (लगभग 20 वर्ष) हैं। मृतक की पत्नी उषा के मायके पक्ष को भी घटना की सूचना दे दी गई है। उनके तीन भाई-भगवान दास उर्फ लाला (45 वर्ष), नरेश (35 वर्ष) और वीरेश (32 वर्ष), पुत्र बदन सिंह मौके पर पहुंच गए थे।पुलिस का कहना है कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मृत्यु के कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा। घटना के बाद गांव में शोक की लहर व्याप्त है।

संदिग्ध हालात में मिले युवक के शव पर सपा विधायक पहुंचे, उच्च स्तरीय जांच की मांग

क्यूँ न लिखूँ सच / बिलारी । सहसपुर क्षेत्र में संदिग्ध परिस्थितियों में 30 वर्षीय धर्मेंद्र के शव मिलने के मामले ने तूल पकड़ लिया है। घटना की जानकारी मिलने पर समाजवादी पार्टी के विधायक हाजी मोहम्मद फहीम इरफान सहसपुर पुलिस चौकी पहुंचे और मामले की जानकारी ली।इस दौरान विधायक ने पुलिस अधिकारियों से पूरे घटनाक्रम की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि घटना गंभीर है और इसकी उच्च स्तरीय जांच कराई जानी चाहिए।

यदि जांच में किसी की संलिप्तता सामने आती है, तो दोषियों के विरुद्ध कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए।विधायक ने परिजनों से भी मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया और आश्वासन दिया कि न्याय दिलाने के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि किसी भी निर्दोष के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा।पुलिस अधिकारियों ने विधायक को आश्वस्त किया कि मामले की हर पहलू से गहनता से जांच की जा रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान: पोहरी में 2,160 पशुपालकों तक पहुंची विभाग की टीम

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। मध्यप्रदेश शासन के पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा संचालित दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान के तीसरे चरण के तहत विकासखंड पोहरी में विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने 2,160 पशुपालकों के घर-घर पहुंचकर उन्हें आधुनिक पशुपालन और शासकीय योजनाओं की जानकारी दी। अभियान के दौरान पशुपालकों को वैज्ञानिक तरीके से पशुपालन, संतुलित पशु आहार, कृत्रिम गर्भाधान, नियमित टीकाकरण, कृमिनाशन, पशु बीमा तथा दूध उत्पादन बढ़ाने के आधुनिक तरीकों की जानकारी दी गई। साथ ही विभाग द्वारा संचालित विभिन्न हितग्राही योजनाओं का लाभ लेने के लिए भी जागरूक किया गया। इस दौरान पशुपालकों ने अपनी समस्याएं और सुझाव विभागीय अधिकारियों के समक्ष रखे, जिनका मौके पर ही यथासंभव निराकरण किया गया तथा आवश्यक तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान किया गया। पशुपालकों ने अभियान की सराहना करते हुए इसे ग्रामीण क्षेत्रों में डेयरी व्यवसाय और पशुपालन को बढ़ावा देने की दिशा में उपयोगी पहल बताया। अभियान का संचालन विकासखंड पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. अतुल सिंह राजपूत एवं पशु चिकित्सा सहायक शल्यज्ञ डॉ. वीनेश राजपूत के मार्गदर्शन में किया गया। अभियान को सफल बनाने में सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारियों, मैत्रियों एवं गोसेवकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

इब्राहीमपुर के समाजसेवी हाजी लियाकत हुसैन के निधन से क्षेत्र में शोक की लहर

क्यूँ न लिखूँ सच / गन्ना समिति के निर्विरोध डेलीगेट, मदरसा कमेटी के सदर एवं सपा विधायक के दादा थे बिलारी । तहसील क्षेत्र के ग्राम मोहम्मद इब्राहीमपुर निवासी वरिष्ठ समाजसेवी एवं कृषक हाजी लियाकत हुसैन (90 वर्ष) का लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। उनके निधन की खबर फैलते ही पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। अपने मिलनसार स्वभाव, सौहार्दपूर्ण व्यवहार और सामाजिक सक्रियता के कारण वे सभी वर्गों में अत्यंत सम्मानित एवं लोकप्रिय थे।हाजी लियाकत हुसैन सहकारी गन्ना विकास समिति के निर्विरोध डेलीगेट रहे। इसके साथ ही वह गांव स्थित मदरसा अजीम-उल-उलूम अहले सुन्नत की प्रबंध समिति के सदर (अध्यक्ष) भी थे। मूल रूप से कृषक होने के बावजूद उन्होंने अपना अधिकांश जीवन सामाजिक कार्यों एवं जनसेवा को समर्पित किया। आसपास के लगभग 20 से अधिक गांवों के लोगों से उनका प्रतिदिन संपर्क रहता था, जिससे उनका व्यापक सामाजिक दायरा और विशेष सम्मान था।उन्होंने अपने पीछे भरा-पूरा परिवार छोड़ा है। उनके ज्येष्ठ पुत्र आफाक हुसैन बिलारी तहसील में वरिष्ठ अधिवक्ता हैं और छह बार तहसील बार एसोसिएशन के अध्यक्ष रह चुके हैं। उनके पौत्र आतिफ कमाल भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा की प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्य रहे हैं तथा वर्तमान में स्योंडारा सहकारी संघ के उपसभापति होने के साथ तहसील में विधि व्यवसाय कर रहे हैं।वर्तमान बिलारी विधानसभा से समाजवादी पार्टी के विधायक हाजी मोहम्मद फहीम इरफान उनके पौत्र हैं। इससे पूर्व वर्ष 2012 में उनके भतीजे हाजी मोहम्मद इरफान नवगठित बिलारी विधानसभा क्षेत्र के प्रथम विधायक निर्वाचित हुए थे। उनके दूसरे भतीजे हाजी मोहम्मद उस्मान एडवोकेट सात बार ग्राम प्रधान रहे तथा प्रधान संगठन की गतिविधियों में भी सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं।हाजी लियाकत हुसैन के निधन की सूचना मिलते ही सुबह से ही उनके पैतृक गांव में अंतिम दर्शन के लिए लोगों का तांता लगा रहा। उनका अंतिम संस्कार (दफीना) गांव के कब्रिस्तान में किया गया, जहां उनकी नमाज-ए-जनाजा में बड़ी संख्या में लोगों ने शिरकत की। उनके निधन पर तहसील बार एसोसिएशन ने ग्राम न्यायालय सहित सभी राजस्व न्यायालयों में न्यायिक कार्य स्थगित रखा। तहसील परिसर में आयोजित शोकसभा में अधिवक्ताओं, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और इसे समाज की अपूरणीय क्षति बताया।शोक व्यक्त करने वालों में उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के अध्यक्ष संजय जैन, पश्चिमी उद्योग व्यापार मंडल के सुनील आर्य, भारतीय किसान यूनियन के पदाधिकारी, उत्तर प्रदेश जाट महासभा, बिलारी प्रेस क्लब, भाजपा महिला मोर्चा की नेता डॉ. गीता शर्मा, भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सुरेश सैनी, सपा विधायक हाजी मोहम्मद फहीम इरफान, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शाकिर मलिक, कल्लू प्रधान (रूपपुर) सहित विभिन्न राजनीतिक, सामाजिक एवं व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधि शामिल रहे। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी पहुंचकर शोक संवेदना व्यक्त की। बड़ी संख्या में लोगों ने नम आंखों से उन्हें अंतिम विदाई दी।

जिला कारागार का डीएम-एसपी ने किया औचक निरीक्षण, सुरक्षा व्यवस्था और बंदियों की सुविधाओं का लिया जायजा

क्यूँ न लिखूँ सच / नीरज कुमार/ उरई जालौन,,कानून व्यवस्था एवं कारागार प्रशासन को सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय एवं पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह ने मंगलवार को जिला कारागार का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कारागार की सुरक्षा व्यवस्था, बंदियों को उपलब्ध कराई जा रही मूलभूत सुविधाओं, स्वच्छता, भोजन व्यवस्था, स्वास्थ्य सेवाओं तथा अभिलेखों का गहनता से निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कारागार परिसर की साफ-सफाई, बैरकों की स्थिति, रसोईघर, चिकित्सालय, पेयजल व्यवस्था एवं अन्य व्यवस्थाओं का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने बंदियों को शासन की मंशा के अनुरूप सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा स्वच्छ एवं अनुशासित वातावरण बनाए रखने के निर्देश दिए।

पुलिस अधीक्षक ने कारागार की सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण करते हुए प्रवेश द्वार, निगरानी व्यवस्था, सुरक्षा उपकरणों एवं ड्यूटी पर तैनात कार्मिकों की सतर्कता का परीक्षण किया। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की शिथिलता न बरतने तथा निर्धारित सुरक्षा मानकों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जेल अधीक्षक प्रशांत मौर्य, जेलर सहित आदि मौजूद रहे।

सब्जी मंडी का होगा स्थानांतरण, सड़क चौड़ीकरण, अतिक्रमण हटाने और औद्योगिक समस्याओं के समाधान के दिए निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच / पवन कुमार/ व्यापारियों और उद्यमियों की समस्याओं पर डीएम सख्त, लापरवाही पर ईओ को प्रतिकूल प्रविष्टि जनपद के व्यापारियों एवं उद्यमियों की समस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने विकास भवन के रानी लक्ष्मीबाई सभागार में जिला व्यापार बंधु एवं जिला उद्योग बंधु की संयुक्त बैठक की। बैठक में व्यापारियों और उद्योग प्रतिनिधियों द्वारा उठाए गए विभिन्न मुद्दों पर गंभीरता से चर्चा करते हुए जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए।

व्यापार बंधुओं ने मोनी मंदिर से आगे स्थित सब्जी मंडी क्षेत्र में अत्यधिक भीड़ एवं जाम की समस्या उठाई। इस पर जिलाधिकारी ने पाया कि अधिशासी अधिकारी द्वारा अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई है। उन्होंने नाराजगी व्यक्त करते हुए अधिशासी अधिकारी को प्रतिकूल प्रविष्टि प्रदान की तथा निर्देश दिए कि एक माह के भीतर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय के समीप उपलब्ध भूमि का निरीक्षण कर वहां नई सब्जी मंडी स्थापित करने के लिए आधारभूत ढांचा विकसित किया जाए। राठ रोड ओवरब्रिज से हाईवे तक सड़क के संकीर्ण होने की समस्या पर जिलाधिकारी ने लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता को सड़क चौड़ीकरण का विस्तृत आगणन तैयार कर शासन को भेजने के निर्देश दिए। वहीं कालपी के टरनलगंज बाजार में अतिक्रमण की समस्या पर अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका कालपी को प्रतिदिन अभियान चलाकर अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए। जिला परिषद परिसर में सामुदायिक शौचालय निर्माण की मांग पर जिलाधिकारी ने नगर पालिका उरई के अधिशासी अधिकारी को एक माह के भीतर टेंडर प्रक्रिया पूरी कर निर्माण कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए। घंटाघर से भगत सिंह चौराहे तक नाले को अतिक्रमण मुक्त कर सफाई कराने संबंधी शिकायत पर बताया गया कि अभियान चलाकर उक्त क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त करा दिया गया है, जिस पर इस बिंदु का निस्तारण कर दिया गया। जिलाधिकारी ने जिला स्तरीय व्यापार बंधु के उपायुक्त सचिव अमित यादव को फटकार लगाते हुए निर्देश दिए कि व्यापार से जुड़ी समस्याओं के समाधान में सक्रिय भूमिका निभाएं, संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित करें तथा प्रत्येक प्रकरण का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित कराएं।

इसके उपरांत आयोजित जिला उद्योग बंधु की बैठक में निवेश मित्र पोर्टल पर समयसीमा के बाद लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने सभी विभागों को शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने आईटीआई प्राचार्य को अप्रेंटिसशिप योजना के अंतर्गत अधिक से अधिक प्रशिक्षुओं को नामित करने तथा क्वालिटी पार्क प्रशिक्षण की प्रभावी निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कालपी औद्योगिक क्षेत्र तक वैकल्पिक मार्ग के निर्माण संबंधी प्रस्ताव पर लोक निर्माण विभाग को आवश्यक कार्रवाई करने को कहा गया। औद्योगिक क्षेत्र उरई स्थित प्लॉट संख्या एल-18 के प्रकरण में क्षेत्रीय अधिकारी यूपीएसआईडीसी को अगली बैठक से पहले प्रकरण का निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। वहीं जालौन प्रोसेसिंग फेज-2 से संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए 15 दिनों के भीतर कार्रवाई कर रिपोर्ट उपलब्ध कराने को कहा गया।हाथ कागज संघ कालपी के अध्यक्ष नरेंद्र तिवारी ने अत्यधिक बिजली बिलों की समस्या उठाई। इस पर जिलाधिकारी ने दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड को पत्र लिखकर किस्तों में भुगतान की सुविधा उपलब्ध कराने हेतु आवश्यक कार्रवाई कराने के निर्देश दिए। उरई इंडस्ट्री एसोसिएशन वेलफेयर के अध्यक्ष मनीष गुप्ता द्वारा औद्योगिक क्षेत्र की चौकी के पास क्षतिग्रस्त वाहनों के खड़े रहने की समस्या उठाने पर जिलाधिकारी ने बताया कि डकोर ब्लॉक में अलग वाहन यार्ड विकसित किया जा रहा है,

भविष्य में सभी क्षतिग्रस्त वाहनों को वहीं स्थानांतरित किया जाएगा। जिलाधिकारी ने कहा कि व्यापार और उद्योग जनपद की आर्थिक प्रगति के प्रमुख आधार हैं। व्यापारियों एवं उद्यमियों की समस्याओं का त्वरित समाधान प्रशासन की प्राथमिकता है तथा किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि सभी लंबित प्रकरणों का निर्धारित समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी केके सिंह, उपायुक्त सचिव जिला स्तरीय व्यापार बंधु अमित यादव, उपायुक्त उद्योग धर्मेंद्र भास्कर, आदि अधिकारी सहित उद्योग व व्यापार बंधु मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

एक दिन में दो सड़क दुर्घटनाएं

क्यूँ न लिखूँ सच / पवन कुमार/ कोंच(जालौन)। कोंच क्षेत्र में दो अलग जगहों पर सड़क दुर्घटनाएं हो गई है जिनमें कुछ लोग घायल हो गए है मिली जानकारी मे ग्राम तूमरा निवासी राघवेंद्र व्यास पुत्र विश्व नाथ कोंच में दुकानों पर मजदूरी का कार्य करते हैं बीते दिन देर रात काम कर वह मोटर साइकिल से अपने गांव लौट रहे थे इसी दौरान ग्राम चचेड़ा पुलिया के पास किसी अज्ञात वाहन ने उनकी मोटर साइकिल में जोरदार टक्कर मार दी इसके बाद चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया उसी समय नदीगांव से कोंच की ओर आ रही पुलिस टीम ने सड़क पर घायल पड़े राघवेंद्र को देखा और तत्काल अपनी गाड़ी से सीएचसी कोंच पहुंचाया जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए चिकित्सकों ने उन्हें उरई मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया वहीं दूसरी घटना मार्कण्डेश्वर तिराहे के पास स्थित पेट्रोल पंप के समीप हुई जहां सिमिरिया निवासी कृष्णानंद पुत्र रामा धार ग्राम कनासी से त्रयोदशी कार्य क्रम में शामिल होकर अपने गांव लौट रहे थे तभी अचानक उनकी मोटर साइकिल के सामने एक गाय आ गई जिससे टकरा कर वह सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए वहां से गुजर रहे राहगीरों ने एम्बुलेंस की सहायता से सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

गुरुपूर्णिमा पर देवगांव में विशाल भंडारा आयोजित

क्यूँ न लिखूँ सच / राजेंद्र विश्वकर्मा / कोंच(जालौन)। कोंच के समीप ग्राम देवगांव में श्री बद्री विशाल आश्रम देवगांव में गुरूपूर्णिमा पर दिनांक 29 जुलाई दिन बुधवार को विशाल भंडारा आयोजित किया जा रहा है इसी को लेकर तैयारी पूरी हो गई है । इस भंडारे के आयोजक मंदिर के प्रबंधक पं मदन मोहन तिवारी पप्पू महाराज ने बताया है कि यह भंडारा दोपहर एक बजे से शुरू हो जाएगा और साढ़े पांच बजे तक चलेगा गुरुपूर्णिमा पर इस बद्री विशाल आश्रम देवगांव में आस पास के सभी गांवों के लोग इस मंदिर पर सुबह से आने लगते है साथ ही कोंच नगर से बड़ी संख्या में भक्त मंदिर पर दर्शन करने आते है इस मंदिर पर गुरु पूर्णिमा पर देर रात तक भक्तों के आने जाने का सिलसिला बना रहता है । पं राजकुमार तिवारी हरगोविंद पटेल खुराना आत्म प्रकाश भदोरिया कोंच व्यापार मंडल के अध्यक्ष संजय लोहिया भगवत शरण निरंजन अरविंद यादव रोमी अग्रवाल बलराम सोनी सहित गांव वासी तैयारी में लगे है ।

दरोगा अशोक वर्मा की शिकायत सीओ कोंच से की गई

क्यूँ न लिखूँ सच / पवन कुमार / कोंच(जालौन)। कोंच सीओ परमेश्वर प्रसाद को शिकायत करते हुये सुशील चौधरी पूर्व विधान सभा प्रत्याशी 221 विधान सभा उरई ने बताया है कि दिनांक 28 जुलाई को समय करीबन दोपहर ढाई बजे की प्रार्थी लोगो की जन समस्या को लेकर कोंच थाने आया था तो प्रार्थी थाने पहुंचा लेकिन कोतवाल साहब नहीं थे तो में और साथ में तीन चार लोग अंदर जाकर कुर्सी पर बैठ गया तो एस आई अशोक वर्मा आये और बोले तेरी हिम्मत कैसे हुई कुर्सी पर बैठने की अपनी औकात में रहा करो तो प्रार्थी की तरफ से कहा गया आप मेरे आत्म सम्मान को तथा गरिमा को ठेस पहुंचा रहे है तो एस आई अशोक वर्मा ने गाली देते हुये कोतवाल साहब के कार्यालय से बाहर निकाल दिया सुशील चौधरी ने सीओ से निवेदन किया है कि एस आई अशोक वर्मा के विरुद्ध विभागीय और कानूनी कार्यवाही की जाए

कांवड़ यात्रा के दृष्टिगत एडीजी व डीआईजी ने किया कछला घाट का निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच / आज जनपद बदायूं एडीजी बरेली जोन बरेली रमित शर्मा व डीआईजी बरेली जोन बरेली अजय कुमार साहनी ने जिलाधिकारी अवनीश राय व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा के साथ संयुक्त रूप से कांवड़ यात्रा-2026 की तैयारियों के दृष्टिगत मंगलवार को कछला घाट का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा, यातायात व्यवस्था, बैरिकेडिंग, स्वच्छता, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था एवं अन्य व्यवस्थाएं समय रहते पूर्ण कर ली जाएं, जिससे कांवड़ियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।जिलाधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि आगामी श्रावण मास में 30 जुलाई, 2026 से प्रारंभ होने वाली कांवड़ यात्रा को सकुशल एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन द्वारा व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। उन्होंने विभिन्न व्यवस्थाओं के लिए सम्बंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।जिलाधिकारी ने बताया कि कांवड़ यात्रा को

सकुशल सम्पन्न कराने के लिए जनपद में सेक्टर व जोन बनाते हुए वहां मजिस्ट्रेट/अधिकारी नामित किए गए हैं। कांवड़ यात्रा के दौरान प्रकाश की बेहतर व्यवस्था की जा गई है तथा सीसीटीवी से निगरानी की जाएगी। शिविर संचालन के लिए भी स्थापना पूर्व अनुमति लेने सहित अन्य मापदण्ड बनाए गए हैं। जिलाधिकारी ने जनपदवासियों एवं श्रद्धालुओं से अपील की कि यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार की असुविधा अथवा आपात स्थिति में त्वरित सहायता एवं प्रभावी समन्वय के लिए कलेक्ट्रेट स्थित इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (आईसीसीसी) तथा पुलिस लाइन में कंट्रोल रूम स्थापित किए गए हैं। कलेक्ट्रेट स्थित आईसीसीसी कंट्रोल रूम के दूरभाष नंबर 05832-266049, 05832-266050, 05832-266052 एवं 05832-266054 तथा मोबाइल नंबर 7505389289 एवं 7505395940 जारी किए गए हैं। इसी प्रकार पुलिस लाइन स्थित कंट्रोल रूम के मोबाइल नंबर 9454402956 एवं 9454417440 पर भी किसी भी प्रकार की सूचना अथवा सहायता प्राप्त की जा सकती है। जिलाधिकारी ने बताया कि 30 जुलाई 2026 से प्रारंभ होने वाली कांवड़ यात्रा के दौरान प्रत्येक शुक्रवार सायं 8:00 बजे से सोमवार सायं 5:00 बजे तक लागू रहने वाले रूट डायवर्जन को प्रभावी ढंग से लागू कराया जाएगा। इस अवसर पर प्रशासनिक व पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

ईवीएम व वीवीपैट वेयरहाउस का किया बाह्य निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच / बदायूँ जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अवनीश राय ने मंगलवार को राजनैतिक दलों के पदाधिकारियों के साथ कलेक्ट्रेट स्थित वीवीपैट एवं ईवीएम वेयरहाउस का बाह्य निरीक्षण कर सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने गोदाम की सुरक्षा व्यवस्था, परिसर की साफ-सफाई, सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता, अग्निशमन उपकरणों तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि वीवीपैट एवं ईवीएम वेयरहाउस की सुरक्षा से जुड़े सभी मानकों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि गोदाम परिसर में सुरक्षा व्यवस्था लगातार प्रभावी बनी

रहे तथा सीसीटीवी कैमरे, विद्युत व्यवस्था एवं अन्य आवश्यक संसाधन सदैव क्रियाशील स्थिति में रहें।

उन्होंने गोदाम वीवीपैट एवं ईवीएम वेयरहाउस परिसर की नियमित निगरानी, साफ-सफाई एवं अभिलेखों के समुचित रखरखाव के भी निर्देश दिए तथा कहा कि निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप सभी व्यवस्थाएं हर समय दुरुस्त रखी जाएं।

निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

विश्वकर्मा समाज पर अत्याचार बर्दाश्त नहीं होगा, एकजुट होकर मुकाबला करने की ली शपथ

क्यूँ न लिखूँ सच / राजेंद्र विश्वकर्मा / पूर्व मंत्री राम आसरे विश्वकर्मा की गाजीपुर में बही खून की बूंदें भाजपा के लिए बनेंगी अंगारा उरई (जालौन)। विश्वकर्मा समाज की एक आवश्यक बैठक अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा के जिला अध्यक्ष महेश चंद्र विश्वकर्मा के नेतृत्व में झांसी रोड स्थित इंजीनियर अविनींद्र ओझा के आवास पर हुई। जिसमें गाजीपुर में निशा विश्वकर्मा की हत्याकांड के मामले को लेकर भाजपा के मंत्री ओमप्रकाश राजभर के अभद्र बयान की घोर निंदा की गई और एक स्वर होकर भाजपा मंत्री ओमप्रकाश राजभर को मंत्रिमंडल से बर्खास्त करने की मांग भी उठाई। बैठक में विश्वकर्मा समाज के लोगों ने शपथ ली कि विश्वकर्मा समाज पर अन्याय व अत्याचार बर्दाश्त नहीं करेंगे।अन्याय करने वालों को एकजुट होकर मुंहतोड़ जवाब देने का काम करेंगे। प्रदेश सचिव राम लाल विश्वकर्मा व नवीन विश्वकर्मा ने कहा कि गाजीपुर में निशा विश्वकर्मा हत्याकांड मामले में समाजवादी पार्टी के प्रतिनिधि मंडल के नेताओं और विश्वकर्मा समाज के एक बड़े पूर्व मंत्री राम आसरे विश्वकर्मा के ऊपर भाजपा के कथित गुंडे गांव के प्रधान प्रतिनिधि आशुतोष सिंह ने अपने गुर्गो के साथ मिलकर जानलेवा हमला किया। जिसमें पूर्व मंत्री राम आसरे विश्वकर्मा का सिर फट गया और जिस तरह से जमीन पर खून बहा। खून की एक एक बूंद भाजपा के लिए अंगारा बनने का काम करेगी। श्री विश्वकर्मा समाज सेवा समिति (मंदिर समिति उरई) के अध्यक्ष श्याम बाबू विश्वकर्मा , पदाधिकारियों में अविनींद्र ओझा,कैलाश विश्वकर्मा करमेर, अरविंद विश्वकर्मा वीरपुरा ने संयुक्त रूप से कहा कि पूर्व मंत्री राम आसरे विश्वकर्मा ने ही समाज को पहचान दी है और हमेशा सुख दुख में सहयोग करते रहते हैं। पूरा विश्वकर्मा समाज को एकजुट होकर उनके साथ खड़ा होगा। विश्वकर्मा ब्रिगेड के जिलाध्यक्ष अमित विश्वकर्मा सिहारी/ उपाध्यक्ष पप्पू रूरा,युवा नेता आलोक विश्वकर्मा ऊमरी ने संयुक्त रूप से कहा अब समय आ गया है कि पूरे जिले का विश्वकर्मा समाज एकजुट हो और विश्वकर्मा समाज की मदद करने वाली समाजवादी पार्टी को विधानसभा चुनाव 2027 में वोट देकर अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाए तभी विश्वकर्मा समाज को सुरक्षा और सम्मान मिल सकेगा। अयोध्या विश्वकर्मा धनौरा विधानसभा अध्यक्ष उरई और विनोद विश्वकर्मा मंगरौल विधानसभा अध्यक्ष कालपी, नगर अध्यक्ष उरई दुलीचंद विश्वकर्मा राजेन्द्र विश्वकर्मा ब्लाक अध्यक्ष कुठौंद ने कहा कि वे गांव गांव जाकर विश्वकर्मा समाज को भाजपा सरकार में हो रहे विश्वकर्मा समाज के उत्पीड़न और अन्याय के बारे बताकर जागरूक करेंगे। अंत में अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा के जिला अध्यक्ष एवं बुंदेलखंड प्रभारी महेश चंद्र विश्वकर्मा ने कहा कि गाजीपुर जिले में निशा विश्वकर्मा की हत्या के मामले को लेकर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के द्वारा भेजे गए डेलीगेट पर गांव के प्रधान आशुतोष सिंह उर्फ आशू व उसके गुर्गों ने जो जानलेवा हमला किया है उसके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए और निशा विश्वकर्मा के परिवार को सुरक्षा और न्याय मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि विश्वकर्मा समाज के संकट में हमेशा समाजवादी पार्टी ने साथ दिया है और किसी दूसरे दल ने कभी भी विश्वकर्मा समाज का साथ नहीं दिया है। उन्होंने विश्वकर्मा समाज के लोगों से अपील की है कि वे एक साथ मिलकर 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा के खिलाफ वोट करेंगे और समाजवादी पार्टी का साथ देकर प्रदेश में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनायेंगे। इस मौके पर श्याम बाबू विश्वकर्मा, रामलाल विश्वकर्मा, नवीन विश्वकर्मा, अमित विश्वकर्मा, दुलीचंद विश्वकर्मा ,अयोध्या विश्वकर्मा, गोविंद विश्वकर्मा, दयाशंकर विश्वकर्मा ,देवेश विश्वकर्मा, संजय विश्वकर्मा, अवनींद्र ओझा, विश्वकर्मा ,गौरव विश्वकर्मा ,राम शंकर ओझा ,जलज विश्वकर्मा, दीपेश विश्वकर्मा, राजकुमार विश्वकर्मा ,मनोज विश्वकर्मा, विनोद विश्वकर्मा ,अशोक विश्वकर्मा, संजय विश्वकर्मा ,कैलाश बाबू विश्वकर्मा, हर्षद विश्वकर्मा, प्रदीप विश्वकर्मा, प्रमोद विश्वकर्मा, अरविंद विश्वकर्मा, सहित तमाम विश्वकर्मा समाज के लोग मौजूद थे।

Are you repeatedly prescribing antibiotics to children? Are you inviting life-threatening problems?

The growing resistance to antibiotics among children worldwide is posing a new challenge to the global health system. Experts say that if the uncontrolled and misused use of antibiotics is not curbed, even common infections could become extremely difficult to treat in the coming years. Numerous studies have consistently cautioned against self-medication or taking any medication without consulting a doctor. With the growing problem of antibiotic resistance worldwide, this caution becomes even more important. Once considered the most powerful weapon in the medical world, these same miracle drugs are now posing a new challenge to the world. Repeated antibiotic use has increased the risk of antibiotic resistance. This has led to bacteria becoming so strong that the drugs that previously easily killed them now have little or no effect on them. In a recent report, health experts are warning about the growing problem of antibiotic resistance among children. Antibiotic Resistance Alert in Children - The World Health Organization (WHO) has long described antimicrobial resistance as a global health crisis. Frequent infections in children, starting antibiotics without testing for every fever, purchasing medications without consulting a doctor, or failing to complete the full course of medication are all contributing to the growth of bacteria. Medical reports indicate that the growing resistance to antibiotics in children worldwide is posing a new challenge to the global health system. Experts say that if the misused use of antibiotics is not uncontrolled and curbed, even common infections extremely difficult to treat in the could become coming years. Children are likely to be most affected, as effective and safe drug options for them are already limited. What did the study find?

A new study published in the American journal JAMA Pediatrics reveals that two major bacteria that cause infections in children—the gram-negative bacteria Acinetobacter baumannii and Klebsiella—are rapidly developing resistance to antibiotics. According to research, Acinetobacter baumannii has emerged as the most drug-resistant bacteria. This bacteria causes blood infections, pneumonia, and other serious infections in hospitalized patients. Klebsiella bacteria, on the other hand, are associated with urinary tract infections, liver abscesses, and many other serious illnesses. Experts say that the fastest rate of antibiotic resistance among Klebsiella is observed in Southeast Asia, Eastern Europe, and the Western Pacific. Why is the threat growing? In the study, researchers from the Royal Children's Hospital, the University of Melbourne, and Brown University say that if this trend is not controlled in time, the availability of effective drugs for treating serious infections will continue to decline. According to experts, the biggest reason for the increasing antibiotic resistance in children is the unnecessary and misuse of antibiotics. Often, antibiotics are started for viral infections such as the common cold, flu, or flu, even though they have no effect on these illnesses. Another reason is discontinuation of medication. Many parents discontinue medication as soon as their child feels slightly better. This allows some bacteria to survive and increase the likelihood of developing resistance. Self-medication, re-administering leftover antibiotics, and using the wrong dosage also contribute to this problem. Research suggests that children are often overprescribed for ear, throat, and respiratory infections.

Could obesity make you a victim of cancer? Learn about its serious risks now.

People often think that obesity only harms the body, but the truth is much more serious. Excess fat also affects hormones, the immune system, and metabolism. This can also increase the risk of cancer. Obesity and weight gain are among the most serious problems of our time. According to statistics, one in every eight people is suffering from obesity. This problem is not limited to adults; a large number of children are also suffering from obesity. Weight gain at an early age can increase the risk of chronic diseases. According to the World Health Organization (WHO), millions of people worldwide are obese, and it causes millions of premature deaths every year. India is also rapidly grappling with this problem. Obesity cases are increasing in rural areas as well as in cities. Experts say that poor lifestyle choices, excessive consumption of junk and processed foods, prolonged sitting, and lack of sleep and physical activity can be major causes. Numerous studies have warned that obese individuals are at increased risk of diabetes, heart disease, and metabolic problems. Does obesity also increase the risk of cancer? Increased risk of obesity: Health experts say that when excess fat accumulates in the body, it begins to impact health. Generally, a BMI of 30 or higher is considered obese. Obesity not only impairs the appearance of the body, it can also increase the risk of many serious diseases. Excess fat in the body also affects hormones, the immune system, and metabolism. Fat tissue produces many chemicals and hormones that cause persistent inflammation in the body. This inflammation can, over time, lead to many serious diseases. Studies show that people with obesity are at risk for heart disease, type 2 diabetes, fatty liver, and high blood pressure, as well as at least 13 types of cancer. Does obesity increase the risk of cancer? Studies show that obesity increases the risk of approximately 13 types of cancer. Excess fat causes persistent inflammation in the body, which can damage the DNA of cells. Obesity can also increase insulin levels, which promote abnormal cell growth. In women, excess fat can increase estrogen levels, increasing the risk of breast and endometrial cancer. Obesity has also been found to increase the risk of colorectal, kidney, liver, pancreatic, and several other cancers. Obesity increases the risk of diabetes and heart disease. Doctors say that obesity increases the risk of type 2 diabetes. Excess fat around the abdomen increases insulin resistance in the body. This can lead to high blood sugar and the risk of diabetes. In addition to diabetes, obesity also puts additional strain on the heart and blood vessels. Overweight people are at risk of high blood pressure and high cholesterol. Over time, this condition can lead to serious problems like heart attack, stroke and heart failure. Also know about these problems caused by obesity. Health experts say that from an early age, attention should be paid to keeping the weight under control by paying attention to diet and lifestyle. Due to obesity, fat starts accumulating not only on the stomach or waist but also in the liver. This is called non-alcoholic fatty liver disease. Excess body weight puts constant pressure on the knees, hips and spine. This increases the risk of osteoarthritis.

Are you experiencing frequent acne on your face? What's the reason? What changes in your body are the culprits?

Acne is a common skin problem that occurs when pores become clogged with excess oil, dead skin cells, and bacteria. Are you also a victim of this problem? Do you often experience red pimples or breakouts on your face? If so, get it checked by a doctor early to see if it's a sign of a serious problem. Health experts say acne isn't just a skin problem; it can also have deep connections within the body. Poor lifestyle, stress, hormonal changes, pollution, and poor eating habits have exacerbated this problem. People often assume acne is caused solely by oily skin or dirt, but scientifically, a complex biological process is at play. This is why it's crucial to understand the causes of acne. What exactly is acne? Health experts say it's a common problem. Acne occurs when skin pores become clogged with excess oil, dead cells, and bacteria. There are several reasons for acne: excessive sebum production, clogged pores, certain types of bacteria, and the body's inflammatory response. Medical reports indicate that when oil glands produce excess oil, the dead cells combine with it to clog pores. Bacteria multiply rapidly in this clogged space, and the immune system triggers inflammation to eliminate them. This inflammation causes red, pus-filled pimples. Therefore, keeping your face clean isn't enough; it's also important to control this process within the skin. Hormonal conditions also exacerbate acne. Doctors cite hormonal changes as one of the biggest causes of acne. During adolescence, the increase in androgen hormones causes the oil glands to become overactive, leading to excess sebum production. Additionally, hormonal fluctuations in women's skin can also exacerbate acne in conditions like menstruation, pregnancy, menopause, or PCOS. Acne is quite common in women due to menstrual and hormonal changes. What habits increase the risk? Health experts say that eating foods with a high glycemic index, sugary drinks, and refined carbohydrates can increase the risk of acne. Furthermore, habits like lack of sleep, chronic stress, and smoking can also increase skin inflammation. Health experts say that when people have acne, they frequently wash their face or try to pop pimples, but this can increase the risk of skin infection and scarring. Excessive scrubbing or applying steroid creams without consulting a doctor can also be harmful. How to prevent acne? Dermatologists say that some creams can be helpful for mild acne, but no medication should be used without consulting a doctor. Severe acne may require antibiotics. Health experts recommend keeping your face clean to prevent acne. Eating a balanced diet, drinking plenty of water, and managing stress can also be beneficial.

Delicious food and favorite music...; Monalisa seen spending quality time in Pune, shares beautiful photos

Bhojpuri actress Monalisa was seen enjoying the weekend in style. She shared a glimpse of it on her social media account. Actress Monalisa often makes headlines for her stylish looks. Once again, she is in the news for her style. Today, Sunday, she shared some photos on social media. Monalisa's beautiful look on the weekend - Monalisa shared a post on her Instagram account. She is seen striking a stunning pose in a bold blue dress. These photos are from Aamby Valley City in Pune. Fans are posting fire emojis and heart emojis. Actress seen enjoying favorite food - Monalisa was seen enjoying her favorite food on the weekend. She has written with the pictures, 'Some wonderful nights with delicious Arabic food and favorite music'. Fans commented in praise - Seeing the beautiful style of Bhojpuri Queen, netizens are commenting in praise. They are praising her look, fitness and beauty. In news for the character of 'Vasantsena' in the new show - Talking about Monalisa's work front, these days she is in the headlines for her character 'Vasantsena'. She is playing this character in her new show. Monalisa is a top actress of Bhojpuri industry. Her real name is Antara Biswas. However, in the film world she is famous by the name Monalisa.

Daughter Riva became emotional for her father Ravi Kishan, writing, "You are my truest companion."

Ravi Kishan's daughter, Riva, shared an emotional message for her father on social media. Riva Kishan Bhojpuri superstar Ravi Kishan's daughter and actress, Riva Kishan, has written a very emotional message for her father on social media. The two were recently seen together on the reality show "The Alliance." Following her father's departure from the show, Riva expressed her love and respect for him. Riva shared special photos with her father Ravi Kishan: Riva shared two photos on her Instagram account. The first photo is from her childhood, in which she is smiling while sitting on her father Ravi Kishan's lap. The second photo is from a recent one, in which the father-daughter duo is seen very happy together. Riva's heartwarming message: Along with these photos, Riva also wrote an emotional message for her father Ravi Kishan. "Even though you left the reality show 'The Alliance,' our bond has been unbreakable since the moment you first held me," Riva captioned the photos. "My truest partner," Riva continued, "You have always protected me, guided me, and showered me with so much love. You are my truest partner, and all I need in this life is you. Thank you for spending time with me on the reality show 'The Alliance.' I promise to always give my best for you and Ravi Mahadev." Why did Ravi Kishan leave the show? Kishan spent about a week on the reality show 'The Alliance.' When he left, the other contestants became emotional. Explaining his reason for leaving, Ravi Kishan said, "You all gave me so much love and respect. Riva knows that no one has ever seen me shed a tear. I have accomplished what I came here for. Now I have to return to my duty, because the public has voted for me." I'm going back to Gorakhpur and staying there." Ravi Kishan will be seen in "The Mirzapur Movie" - Ravi Kishan is a big name in the film industry today. He began his career in the 1990s with Hindi films like "Aatank," "Army," and "Zakhmi Dil." After working in Bollywood, he gained real recognition in Bhojpuri cinema. Superhit films like "Saiyan Hamaar" and "Pandit Ji Batai Na Byah Kab Hoi" made him the biggest star of the Bhojpuri industry. In the last few years, Ravi Kishan has also done excellent work in web series and Hindi films. His performances in the film "Lapata Ladies" and the web series "Khaki The Bihar Chapter" have been highly praised by both audiences and critics. Now, Ravi Kishan will soon be seen in "The Mirzapur Movie."

Khesari Lal Yadav sets the stage on fire with his new Bhojpuri song; performs a powerful dance with Rani in "Dardiya Ae Balam"

Bhojpuri industry superstar Khesari Lal Yadav's new song, "Dardiya Ae Balam," has been released. It's sung by him and Shilpi Raj. Khesari Lal Yadav is renowned for his acting skills, as well as his singing and dancing. The Bhojpuri film superstar's songs have a unique following among fans. Khesari also releases new songs based on popular demand. Once again, he has come up with a blockbuster. Khesari Lal Yadav has released a new Bhojpuri song, titled "Dardiya Ae Balam." This song showcases his electrifying style. It's filmed on Khesari and Rani, with both of them performing with incredible rhythm. The song was released on the Global Music Junction YouTube channel. The song showcases the amazing chemistry between Rani and Khesari Lal Yadav. Khesari has performed many of his signature dance steps. Based on a village background, this song also has a glimpse of traditions and a touch of romance. The song has been sung by Khesari Lal Yadav and Shilpi Raj together. The lyrics of the song have been written by Tuntun Yadav. What did the netizens say? - This song of Khesari was released today on Saturday. Till now it has got more than 2 lakh 88 thousand views. Netizens are praising it a lot in the comment box. Khesari's fans are writing, 'This song is touching the heart'. At the same time, they are also praising Rani's acting and dance.